भीम प्रज्ञा अलर्ट

समय बदलना आसान है, लेकिन समय के साथ अपने मूल्यों को बचाए रखना ही सच्ची समझदारी और असली प्रगति है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-56 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 15 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

समाज–हमारी पहचान, संस्कार और निरंतर परिवर्तन की यात्रा

समाज हमारे जीवन का वह आधार है, जिस पर व्यक्ति का अस्तित्व, पहचान और विकास टिका होता है। मनुष्य अकेले जीवित रह सकता है, लेकिन सार्थक जीवन समाज के बिना संभव नहीं। जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य समाज के नियमों, परंपराओं, मूल्यों और संबंधों से जुड़ा रहता है। परिवार, पड़ोस, विद्यालय, मित्र, कार्यस्थल और राष्ट्र–ये सभी समाज के ही विविध रूप हैं, जो व्यक्ति को सुरक्षा, सहयोग और दिशा प्रदान करते हैं। समाज न केवल हमारी जरूरतें पूरी करता है, बल्कि हमारे व्यक्तित्व को भी गढ़ता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

समाज हमें नैतिकता और संस्कार सिखाता है। प्रेम, भाईचारा, सहयोग, सहिष्णुता, त्याग और करुणा जैसे मूल्य समाज से ही विकसित होते हैं। जब हम दुख में होते हैं तो समाज हमें सहारा देता है, और जब खुशी होती है तो वही समाज उसे साझा कर आनंद को कई गुना बढ़ा देता है। समाज के बिना मनुष्य भावनात्मक रूप से अधूरा है। एकाकी जीवन भले ही स्वतंत्रता दे, लेकिन सामाजिक जीवन ही संतुलन और संवेदनशीलता सिखाता है। समाज केवल स्थिर संरचना नहीं, बल्कि एक गतिशील और जीवंत मानवीय रचना है। यह समय, भूगोल और संस्कृति के साथ निरंतर बदलता रहता है। किसी भी समाज की पहचान उसके साझा विश्वासों, परंपराओं, भाषा, रीति-रिवाजों और संस्थाओं से बनती है। ग्रामीण समाज और शहरी समाज, पूर्वी और पश्चिमी समाज, परंपरागत और आधुनिक समाज–सभी अपने-अपने परिवेश के अनुसार विकसित हुए हैं। यही विविधता समाज को रंगीन और समृद्ध बनाती है।

हालांकि, समाज की यह विविधता तभी सार्थक होती है जब उसमें सामाजिक एकता बनी रहे। विविधता में एकता भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता रही है। अलग-अलग धर्म, जाति, भाषा और संस्कृति के बावजूद एक साझा मानवीय भाव हमें जोड़ता है। जब समाज में एकता कमजोर पड़ती है, तब टकराव, भेदभाव और विघटन की स्थिति पैदा होती है। इसलिए सामाजिक समरसता और आपसी सम्मान किसी भी स्वस्थ समाज की अनिवार्य शर्त हैं। वर्तमान समय में वैश्वीकरण ने समाज की संरचना को तेज़ी से बदला है। तकनीक, इंटरनेट और संचार माध्यमों ने दुनिया को एक 'वैश्विक गांव' में बदल दिया है। विचारों, संस्कृतियों और जीवनशैलियों का आदान-प्रदान पहले से कहीं अधिक तेज़ हो गया है। इससे समाजों के बीच दूरी घटी है, लेकिन साथ ही स्थानीय पहचान और पारंपरिक मूल्यों के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी हुई हैं। आज का समाज परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन खोज रहा है।

समाजशास्त्र का मूल सिद्धांत यही बताता है कि समाज कभी स्थिर नहीं रहता। वह निरंतर विकसित होता है, नई पहचान बनाता है और वैश्विक प्रभावों को आत्मसात करता है। कभी परिवार समाज की सबसे मजबूत इकाई था, आज उसकी संरचना बदल रही है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार बढ़ रहे हैं। रिश्तों में औपचारिकता बढ़ी है, लेकिन भावनात्मक दूरी भी दिखाई देने लगी है। यह परिवर्तन न तो पूरी तरह अच्छा है, न ही पूरी तरह बुरा–यह समाज के विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया है। आज के समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती मानवीय संवेदनाओं को बनाए रखना है। भौतिक प्रगति, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद ने व्यक्ति को केंद्र में ला दिया है, जिससे 'हम' की भावना कमजोर पड़ रही है। समाज तभी मजबूत रहेगा, जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझे। सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिकता और सामूहिक हित की भावना को पुनः मजबूत करना समय की मांग है। समाज हमें केवल लेने का नहीं, देने का भी अवसर देता है। जब व्यक्ति समाज के लिए सोचता है, समाज उसके लिए रास्ते खोलता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय और समान अवसर–ये सब सामाजिक संरचना की देन हैं। लेकिन इनका लाभ तभी स्थायी होगा, जब समाज में समानता, न्याय और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी जाए। भेदभाव, हिंसा और असहिष्णुता समाज को कमजोर करती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि समाज हमारे जीवन का दर्पण भी है और निर्माता भी। हम जैसे समाज को गढ़ते हैं, वैसा ही समाज हमें लौटकर मिलता है। यदि हम प्रेम, सहयोग और सम्मान बोते हैं, तो हमें वही फल प्राप्त होता है। समाज का भविष्य हमारी सोच, हमारे व्यवहार और हमारे सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करता है। इसलिए ज़रूरी है कि हम समाज को केवल एक संरचना नहीं, बल्कि एक जीवंत संबंध के रूप में देखें–जहाँ हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है और हर योगदान समाज को आगे बढ़ाने वाला है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 16 जनवरी को राजस्थान दौरा:

1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में होंगी शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 16 जनवरी को एक दिवसीय राजस्थान दौरे पर जयपुर आएंगी। राष्ट्रपति का दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 1:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू होगा। एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सड़क मार्ग से प्रस्थान कर दोपहर 2:10 बजे सिविल लाइंस स्थित लोक भवन पहुंचेंगी, जहां उनका निर्धारित कार्यक्रम रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोपहर 3:50 बजे लोक भवन से निकलकर शाम 4:20 बजे सीकर रोड स्थित नींदड़ हाउसिंग स्कीम, हरमाड़ा पहुंचेंगी। यहां वे रामानंद मिशन की ओर से आयोजित 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी। इसी आयोजन के साथ तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य के सानिध्य में चल रही श्री राम कथा और 1

सिर्फ 4 घंटे रहेंगी जयपुर में, फिर दिल्ली लौटेंगी

30 हजार लोग शामिल हो रहे हैं रोज

1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ और श्री रामकथा 8 से 16 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। कथा में प्रतिदिन 1008 परिवार हवन कुंड में आहुतियां दे रहे हैं। 500 से अधिक विद्वान पंडित इस आयोजन में शामिल है। प्रतिदिन कथा में 25 से 30 हजार लोग शामिल हो रहे हैं।

शहर में रहेगा ट्रैफिक डायवर्ट

महायज्ञ में राष्ट्रपति की मौजूदगी को लेकर प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए राष्ट्रपति के शहर में आवाजाही के दौरान विभिन्न मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। पुलिस और ट्रैफिक विभाग की टीमें तैनात रहेंगी और आम लोगों से अपील की गई है कि वे ऑप्शनल मार्गों का उपयोग करें प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शाम 5:50 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पालम एयरपोर्ट, दिल्ली के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों को अलर्ट पर रखा गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल, चिड़ावा में छात्राओं के लिए निःशुल्क ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ

जेबी फाउंडेशन के सौजन्य से शुरू हुई डिजिटल लाइब्रेरी, वक्ताओं ने बताया महिला सशक्तिकरण का बड़ा कदम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

महिला सशक्तिकरण और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को शहर में जेबी फाउंडेशन (कौशिक परिवार) द्वारा महिलाओं एवं

छात्राओं के लिए निःशुल्क ई-लाइब्रेरी का भव्य शुभारंभ किया गया। इस डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से क्षेत्र की छात्राओं को अत्याधुनिक संसाधनों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और ज्ञानवर्धन का निःशुल्क अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ पार्षद

मैना देवी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर और फीता काटकर किया। मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना के बाद इस लाइब्रेरी को छात्राओं व महिलाओं के लिए समर्पित कर दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व चेयरमैन कैलाश लाटा, पूर्व पार्षद मनोहर लाल जांगिड़, राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया और भास्कर ढंड ने कौशिक परिवार की इस पुनीत पहल की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि आज के डिजिटल युग में संसाधनों के अभाव में कोई प्रतिभा पीछे न रहे, इस दिशा में यह ई-लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक कामिनी - राजीव कौशिक, चिड़ावा प्रतिनिधि दीपक कौशिक, सेवानिवृत्त होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. साधना शर्मा, भास्कर ढंड जयपुर निवासी और कंचन कौशिक ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। वहीं मंगलवार को जे बी फाउंडेशन ने मल्टीस्पेशियलिटी चिकित्सा शिविर के माध्यम से 54 रोगियों को विशेषज्ञ परामर्श और जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम का सफल संचालन नगेन्द्र शर्मा 'निकुंज' ने किया। समारोह में सुशील अरडावतिया, अनिल जोशी, सोनू तामडायत, चन्द्र प्रकाश जोशी सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सामाजिक समारोहों में डॉ. अम्बेडकर छात्रावास को सहयोग बन रहा नई परंपरा : गोयल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । सामाजिक सरोकारों और सेवा कार्यों में डॉ. अम्बेडकर छात्रावास, बीकानेर को सहयोग प्रदान करना अब समाज में एक सकारात्मक परंपरा का रूप लेता जा रहा है। विभिन्न परिवार अपने पारिवारिक व सामाजिक अवसरों पर छात्रावास को आर्थिक एवं संसाधन सहयोग प्रदान कर रहे हैं, जिससे जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा और आवास की व्यवस्था को मजबूती मिल रही है। संस्थान के सचिव सोहन लाल गोयल ने बताया कि हाल ही में नापासर निवासी रमेश पड़िहार की पत्नी माया ने अपनी माता स्वर्गीय शारदा देवी जयपाल (पत्नी गोपीकिशन जयपाल, भीमनगर) की प्रथम पुण्यतिथि पर छात्रावास के लिए 1100 रुपये का सहयोग प्रदान किया। साथ ही उन्होंने पीबीएम अस्पताल को एक व्हीलचेयर भी भेंट की। इसी क्रम में पिछले माह नापासर निवासी स्वर्गीय मंगतूराम पंवार की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा छात्रावास को एक लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया गया। वहीं मांगीलाल कड़ेला ने अपनी माता की स्मृति में 10,100 रुपये की सहायता राशि छात्रावास को दी। इसके अलावा कुचौर आथूनी निवासी स्वर्गीय पुरखाराम पंवार की आठवीं पुण्यतिथि पर उनके परिवार की ओर से 50,000 रुपये का सहयोग छात्रावास को सौंपा गया। सोहन लाल गोयल ने बताया कि अब समाज के लोग विवाह, मायरा, जन्मदिन एवं पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर डॉ. अम्बेडकर छात्रावास को सहयोग देकर सामाजिक जिम्मेदारी निभा रहे हैं। यह परंपरा न केवल छात्रावास के संचालन में सहायक है, बल्कि समाज में सेवा, एकजुटता और सहयोग की भावना को भी सशक्त बना रही है। डॉ. अम्बेडकर छात्रावास संचालन समिति एवं अनुसूचित जाति जनजाति मानव कल्याण संस्थान, बीकानेर ने सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इस सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया है।

मकर संक्रांति पर जरूरतमंदों को बांटे गए कम्बल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र में दान-पुण्य के कार्य जारी हैं। इसी क्रम में सुरेंद्र पटवा ने संक्रांति के अवसर पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य ठंड के मौसम में गरीब व असहाय लोगों को राहत पहुंचाना और उन्हें सर्दी से बचाव में सहयोग देना रहा। इस मौके पर सुरेंद्र पटवा ने बताया कि मकर संक्रांति सेवा, सहयोग

और समर्पण का पर्व है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए कंबल वितरण का निर्णय लिया गया ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके। वह हमेशा से जरूरतमंदों की सहायता करते रहते हैं। उनकी इस पहल से न केवल लोगों को मदद मिलती है बल्कि युवाओं में भी जागरूकता आ रही है। आज का युवा जो नशे की गिरफ्त में आ रहा है जिसको लेकर वह नशा मुक्त बनाने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे है।

फतेहाबाद जिले के भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया लोहड़ी एवं मकर संक्रान्ति का पर्व-प्रधान बलदेव सैनी

समारोह में टोहाना नगर परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल व वाइस चैयरपर्सन नीरू सैनी भी मौजूद रहें

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । भाजपा ओबीसी मोर्चा फतेहाबाद की ओर से पहली बार बीजेपी जिला कार्यालय में लोहड़ी व मकर संक्रान्ति का पावन पर्व बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश सचिव एवं जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य, पूर्व सांसद श्रीमति सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दुड़ाराम, ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारी रत्न सैनी, एससी आयोग के चेयरमैन प्रो. रविन्द्र बलियाला व जिला परिषद की चेयरपर्सन सुमन सुभाष खिचड़ ने शिरकत की। कार्यक्रम के जिला संयोजक की भूमिका भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने निभाई। इस अवसर पर सभी दिग्गज नेताओं ने विधिवत एवं सांस्कृतिक ढंग से लोहड़ी दहन किया तथा एक दूसरे को लोहड़ी एवं मकर संक्रान्ति पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सभी नेता व कार्यकर्ता ढोल

कार्यक्रम के जिला संयोजक की भूमिका वरिष्ठ भाजपा नेता व भाजपा ओबीसी मोर्चा के फतेहाबाद जिले के अध्यक्ष बलदेव सैनी ने बखूबी निभाई

नंगाड़ों पर झूमते नजर आए। जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि ये पर्व हमारी भारतीय संस्कृति, परंपरा और कृषि से जुड़े महत्वपूर्ण त्योहार हैं, जो आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि लोहड़ी जहां खुशहाली का प्रतीक है, वहीं मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व है, जो जीवन में सकारात्मक बदलाव और नई ऊर्जा का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि किसान ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इन पर्वों के माध्यम से हमें अन्नदाता का सम्मान करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने का संकल्प लेना चाहिए। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने सभी देशवासियों के सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए कहा कि ये पर्व हम सभी के जीवन में नई उमंग, नई आशा और नई रोशनी लेकर आएं। यह पर्व हमारी कृषि परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। विकास ललौदा ने कहा कि लोहड़ी खुशी मनाने का पर्व है, जबकि मकर संक्रांति जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और नवचेतना का संदेश देती है।

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि यह समय समाज के हर वर्ग के साथ खुशियां साझा करने का है। उन्होंने किसानों को बधाई देते हुए कहा कि अन्नदाता की मेहनत से ही देश का हर घर रोशन होता है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति से जुडकर समाज सेवा में भागीदारी निभाएं। इन पर्वों से हमें परस्पर सहयोग, भाईचारे और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना सीखने को मिलती है। उन्होंने सभी परिवारों के सुख, शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में खुशियों की नई किरण लेकर आए। ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए लोहड़ी की बधाई दी। इस मौके पर मार्किट कमेटी चेयरमैन प्रदीप मंडन, कुलबंत सैनी व अनिमेन्ट पर्सन चन्द्र सोनी व विजय जांगड़ा को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने पर टोहाना के एसवीएम स्कूल, फतेहाबाद के आर्यभट्ट स्कूल व रतिया के ग्रीन वैली कान्वेंट स्कूल के बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पर जिला महामंत्री विकास ललौदा व अशोक जाखड़, जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, नप चेयरमैन,नरेश बंसल , जंगजीत हुड्डा, संकेत गर्ग, रामदेव शर्मा, जिला कार्यालय सचिव शम्मी ढींगड़ा, जिला सचिव एवं नगर परिषद की वाईस चेयरपर्सन सविता टुटेजा, टोहाना नप वाईस चेयर पर्सन नीरू सैनी, माखन जोइया, मोहन सैनी, दलबीर मताना, पूजा कश्यप, सुरेन्द्र जांगड़ा, हवा सिंह, सुभाष गेदर सहित ओबीसी मोर्चा के जिला पदाधिकारी व मण्डल अध्यक्ष व वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लंबे और मजबूत बालों के लिए खुद बनाएं अपना लैवेंडर और विटामिन ई ऑयल

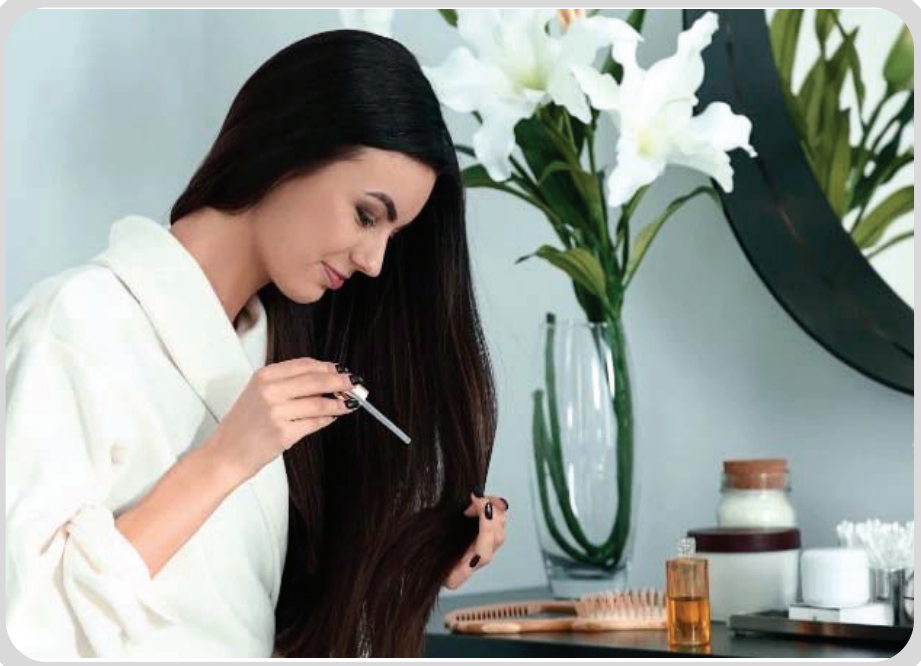

यदि आप बालों के विकास को बढ़ावा देना चाहती हैं और अपनी जड़ों को मजबूत करना चाहती हैं, तो घर पर बनाया गया यह लैवेंडर और विटामिन ई हेयर ऑयल आपके काम आ सकता है।बालों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि पर्यावरण, खानपान और तनाव का स्तर जैसे कारक आपके बालों को लगातार नुकसान पहुंचा सकते हैं। इन कारकों को कम करने के लिए, और लंबे और मजबूत बाल प्राप्त करने के लिए, लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं।सबसे अच्छी बात यह है कि प्राकृतिक अवयवों से बना हेयर ऑयल आपको उन क्षेत्रों को लक्षित करने में मदद करेगा, जिन पर सबसे अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। तो, बालों के विकास को बढ़ावा देने से लेकर जड़ों को मजबूत करने तक, लैवेंडर और विटामिन ई वाला ये हेयर ऑयल आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

यहां बताया गया है कि कैसे लैवेंडर और विटामिन ई आपके बालों को लाभ पहुंचाएंगे-टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च जर्नल में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, लैवेंडर का तेल बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीसेप्टिक गुण सिर की जूं को दूर करने में मदद करते हैं, और जीवाणुरोधी गुण किसी भी बैक्टीरिया और फंगस के विकास को रोकते हैं। जब विटामिन ई की बात आती है, तो ट्रॉपिकल लाइफ साइंसेज जर्नल द्वारा प्रकाशित एक शोध से पता चला है कि विटामिन ई बालों के विकास में सुधार करने में मदद करता है, और इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण स्कैल्प में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं। विटामिन ई स्कैल्प में रक्त के प्रवाह को भी बढ़ाता है और बालों के विकास को प्रोत्साहित करता है।

लैवेंडर और विटामिन ई हेयर ऑयल बनाने के लिए आपको चाहिए

1) ताजे या सूखे लैवेंडर फूल
2) नारियल का तेल
3) 1 से 2 विटामिन श्च कैप्सूल

अब जानिए तेल बनाने का तरीका

1) लैवेंडर के फूलों के तने काट लें, क्योंकि तेल बनाने के लिए पत्तियों, फूलों और तनों का उपयोग किया जाना है। एक साफ कांच के जार में उबला हुआ पानी डालें और फिर उसमें लैवेंडर के तने, फूल और पत्ते डालें।

2) जार को नारियल के तेल से भरें। अब, विटामिन ई कैप्सूल को तोड़कर और जार में अर्क डालें।

3) जार को एक सप्ताह के लिए सूखी और गर्म जगह पर स्टोर करें।

4) अब तेल से लैवेंडर के पत्तों, तनों और फूलों को छान लें।

आपका हेयर ऑयल अब उपयोग के लिए तैयार है!

अपने बालों को पोषण देने के लिए तेल लगाने का तरीका यहां बताया गया है

1) एक चम्मच तेल लें और इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं।
2) इस तेल से स्कैल्प और बालों की पूरी लंबाई पर अच्छी तरह से मसाज करें।
3) तेल को 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर शैम्पू से धो लें।

याद रखें कि एसेंशियल ऑयल को अप्लाई करने के लिए पतला होना चाहिए, क्योंकि बिना पतला एसेंशियल ऑयल स्कैल्प पर जलन और झुनझुनी पैदा कर सकता है। याद रखें कि आप इसे कम से कम 5-6 महीने के लिए सूखी जगह पर स्टोर कर सकती हैं। तो लेडीज, सप्ताह में कम से कम एक या दो बार इस तेल का प्रयोग करें और इसके लाभ प्राप्त करें।

यदि आप बालों के विकास को बढ़ावा देना चाहती हैं और अपनी जड़ों को मजबूत करना चाहती हैं, तो घर पर बनाया गया यह लैवेंडर और विटामिन ई हेयर ऑयल आपके काम आ सकता है।

कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ मकर संक्रांति 2026 फसल के जश्न में पोषण जोड़ें

जयपुर। मकर संक्रांति पूरे भारत में लंबे दिनों, ताज़ी फसल और नई ऊर्जा के आने का प्रतीक है। पोंगल, लोहड़ी, उत्तरायण और माघ बिहू जैसे अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह त्योहार खुशहाली, आभार और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह मौसम कैलिफ़ोर्निया बादाम को शामिल करके उत्सव और सेहतमंद पोषण के बीच संतुलन बनाने का मौका देता है। प्रोटीन, स्वस्थ वसा और एंटीऑक्सीडेंट्स के अनोखे मिश्रण के साथ, बादाम ताकत बढ़ाने, प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करने में सहायक हैं। उनका पोषक तत्वों से भरपूर प्रोफाइल उन्हें उत्सव के भोजन में स्वाभाविक रूप से शामिल करता है, जिससे स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए समग्र स्वास्थ्य का संतुलन बनाए रखा जा सकता है। रितिका समद्दार, रीजनल हेड डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली, ने कहा-÷मकर संक्रांति के उत्सव में पारंपरिक व्यंजन महत्वपूर्ण हैं, लेकिन छोटे और सोच-समझकर सही चीज़ें चुनने से सेहत को बहुत फायदा हो सकता है। बादाम पोषक तत्वों से भरपूर, प्राकृतिक रूप से तृप्ति देने वाले हैं और कार्बोहाइड्रेट-रिच खाद्य पदार्थों के साथ सेवन करने पर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। चाहे लड्डू में डालें, नमकीन डिश में या साबुत खाएं, रोज़ाना मुट्ठी भर कैलिफ़ोर्निया बादाम खाने से परिवार बिना पोषण से समझौता किए त्योहार मना सकते हैं। आयुर्वेद के नज़रिए से, बादाम को बल्य माना जाता है, जिसका मतलब है ताकत बढ़ाने वाला, और ये ओज बनाने के लिए जाने जाते हैं, जो जीवन शक्ति और इम्यूनिटी को सपोर्ट करता है। खासकर सर्दियों और शुरुआती वसंत में फायदेमंद, इनकी गर्म तासीर वात को संतुलित करने, पाचन को सपोर्ट करने और सहनशक्ति बनाने में मदद करती है।डॉ. मधुमिता कृष्णन, आयुर्वेद विशेषज्ञ, ने कहा बादाम उत्सव के व्यंजनों में शामिल करने के लिए सबसे बहुपयोगी सामग्री में से एक हैं। ये दोषों को संतुलित करने, शरीर को पोषण प्रदान करने, उष्ण प्रकृति के होने और तृप्ति प्रदान करने जैसी अद्वितीय विशेषताएँ रखते हैं। चाहे उन्हें चटनी में मिलाया जाए, उत्सव की मिठाइयों में पीसा जाए या सीधे खाया जाए, बादाम पोषण और स्वाद दोनों को बढ़ाते हैं।रोज़ाना की सेहत में बैलेंस्ड न्यूट्रिशन की भूमिका पर ज़ोर देते हुए, न्यूट्रिशन और वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णस्वामी ने कहा, ÷मकर संक्रांति के व्यंजन पारंपरिक रूप से रिच और उत्सवपूर्ण होते हैं, लेकिन सामग्री का चुनाव स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव डालता है। बादाम उत्सव के व्यंजनों में बहुत उपयुक्त हैं क्योंकि ये प्राकृतिक बनावट और पोषक तत्व प्रदान करते हैं, बिना चीनी या रिफाइंड फैट के। पारंपरिक व्यंजनों में बादाम शामिल करने से परिवार उत्सव की भावना बनाए रख सकते हैं और साथ ही खाने को ज़्यादा बैलेंस्ड और पौष्टिक बना सकते हैं। अपने उत्सवों से जुड़े व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा मकर संक्रांति मेरे लिए हमेशा गर्मजोशी, परिवार और पौष्टिक भोजन का प्रतीक रही है। मुझे लगता है कि जब उत्सव स्वास्थ्य और भलाई का भी समर्थन करते हैं, तो उनका महत्व और बढ़ जाता है। कैलिफ़ोर्निया बादाम हमारे परिवार के रसोई का हिस्सा वर्षों से रहे हैं, जिससे खाने-पीने और और पोषण के बीच संतुलन बनाए रखना आसान होता है।÷

अनन्या पांडे ने बड़े रेज़ोल्यूशन्स की जगह सरल आदतों को अपनाया

जयपुर। अनन्या पांडे 2026 में कदम रखते हुए खुद को रियल बनाए रख रही हैं। एक नए इंस्टाग्राम रील में अभिनेत्री आईने के सामने खड़े होकर नए साल के संकल्पों से जुड़ी परिचित दबाव पर खुद से बात करती नज़र आती हैं। समय कितनी तेज़ी से निकल जाता है और न्यू ईयर, न्यू मी की सोच के साथ आने वाली चिंता को स्वीकार करते हुए,

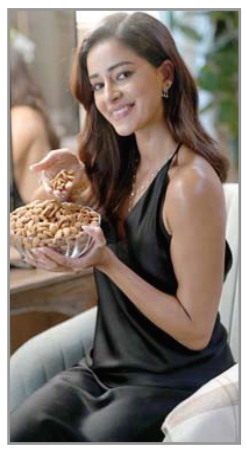

अनन्या एक ज़्यादा संतुलित रास्ता चुनती हैं–असंभव मानकों के पीछे भागने के बजाय छोटे और टिकाऊ आदतों पर ध्यान देती हैं। बेहतर नींद, पर्याप्त पानी पीना और नियमित व्यायाम जैसे कदमों के ज़रिये उनका संदेश परफ़ेक्शन नहीं, बल्कि स्थिरता पर केंद्रित है। वह अपनी सुबह की दिनचर्या का एक आसान लेकिन अहम हिस्सा भी साझा करती हैं–दिन की शुरुआत मुट्ठी भर कैलिफ़ोर्निया बादाम से करना। प्राकृतिक ऊर्जा का स्रोत होने के कारण बादाम उन्हें पूरे दिन सक्रिय रखते हैं, वहीं इनमें मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन E त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और एंटी-एजिंग गुणों के लिए भी जाने जाते हैं। अपनापन और भरोसा दिलाने वाले इस रील का अंत एक गर्मजोशी भरे व्यक्तिगत संदेश के साथ होता है, जहां अनन्या सभी को नए साल की शुभकामनाएं देती हैं और आने वाले साल को ज़्यादा संवेदनशील और जागरूक बनाने का भाव सेट करती हैं।

एयू जयपुर मैराथन 2026 का प्रोमो रन बना फिटनेस का भव्य उत्सव

सेंट्रल पार्क में रनर्स ने जोश और ऊर्जा के साथ लगाई दौड़

जयपुर। एयू जयपुर मैराथन 2026 की तैयारियों को नई ऊर्जा देते हुए सुबह सेंट्रल पार्क, जयपुर में आयोजित 'एयू जयपुर मैराथन प्रोमो रन' ने शहर को फिटनेस और सकारात्मकता के रंग में रंग दिया। सर्द सुबह के साथ शुरू हुए इस आयोजन में रनर्स, फिटनेस एन्थूजियास्ट्स और युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। इस प्रोमो रन की शुरुआत संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं सुरेश मिश्रा द्वारा फ्लैग ऑफ के साथ की गई। इस दौरान एयू जयपुर मैराथन के सीईओ और आईआईईएमआर के निदेशक मुकेश मिश्रा, जयपुर रनर्स क्लब के को-फाउंडर रवि गोयनका, प्रेसिडेंट प्रवीण तिजारिया सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।रन दस किलोमीटर और पांच किलोमीटर की दो कैटेगरी में की गई। ठंडी सुबह में भी रनर्स का उत्साह और अनुशासन देखने लायक रहा, जिसने पूरे माहौल को ऊर्जावान और प्रेरणादायक बना दिया।रन से पहले आयोजित वार्म-अप और जुम्बा सेशन ने प्रतिभागियों को पूरी तरह चार्ज कर दिया, जबकि रन के बाद आयोजित आफ्टर रन पार्टी और लैविश ब्रेकफास्ट ने इस आयोजन को एक परफेक्ट सेलिब्रेशन में बदल दिया।इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं सुरेश मिश्रा ने कहा सर्दियों की सुबह में भी जिस उत्साह के साथ लोगों ने इस प्रोमो रन में हिस्सा लिया, वह इस बात का प्रमाण है कि अब स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर समाज की सोच तेज़ी से बदल रही है। यह आयोजन लोगों को एक एक्टिव, पॉजिटिव और हेल्दी लाइफस्टाइल की ओर प्रेरित करने की एक सार्थक पहल है।आयोजन के बारे में बात करते हुए एयू जयपुर मैराथन के सीईओ और आईआईईएमआर के निदेशक मुकेश मिश्रा ने कहा- ÷यह प्रोमो रन एयू जयपुर मैराथन 2026 के प्रति लोगों में उत्साह, जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने का एक अहम प्रयास है। आज जिस तरह से रनर्स, युवाओं और फिटनेस एन्थूजियास्ट्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया, उसने यह साबित कर दिया कि जयपुर फिटनेस मूवमेंट को पूरे दिल से अपना रहा है।÷यह प्रोमो रन 1 फरवरी 2026 को होने जा रही एयू जयपुर मैराथन के 17वें संस्करण के लिए एक मंच तैयार करने का प्रयास है। जयपुर से पहले प्रोमो रन मुंबई, गुड़गांव जैसे शहरों में आयोजित की जा चुकी हैं।एयू जयपुर मैराथन के रजिस्ट्रेशन ओपन हैं तथा इच्छुक लोग एयू जयपुर मैराथन की वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

रीन्यू के जयपुर मैनुफैक्चरिंग प्लांट ने विश्व मृदा दिवस के मौके पर बनाया विश्व रिकॉर्ड

जयपुर। विश्व मृदा दिवस 2025 के मौके पर भारत की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रीन्यू के जयपुर मैनुफैक्चरिंग प्लांट ने अधिकतम लोगों द्वारा रंगीन हाथों के निशान बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। मिट्टी के संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए 600 से अधिक कर्मचारियों एवं समुदाय के सदस्यों ने इस अनूठी पहल में हिस्सा लिया। इस गतिविधि के तहत रिकॉर्ड बनाने के लिए प्लांट के कर्मचारी और आस-पास के समुदायों के सदस्य इकट्ठा हुए, जिन्होंने एक साथ मिलकर विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए बड़े कैनवास पर रंगीन हाथों के निशान बनाए। यह पहल मिट्टी के संरक्षण के लिए साझा ज़िम्मेदारी की सरल और शक्तिशाली अभिव्यक्ति साबित हुई, जिसने सिस्टम को मजबूत बनाने और पर्यावरण के बारे में जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को इस पहल में हिस्सा लेने को प्रोत्साहित करने के लेने एक वॉकाथोन का आयोजन भी किया गया था। विश्व मृदा दिवस का आयोजन दुनिया भर में 5 दिसम्बर को किया जाता है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य और स्थायी मृदा प्रबन्धन के महत्व पर रोशनी डालता है। इस पहल के माध्यम से रीन्यू ने समुदाय के नेतृत्व को एक्शन में बदलने का प्रयास किया तथा दर्शाया कि उद्योग जगत किस तरह अपने संचालन के दायरे से बढ़कर पर्यावरण के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को निभा सकता है। यह कार्यक्रम रीन्यू के जयपुर मैनुफैक्चरिंग प्लांट के लिए बड़ी उपलब्धि है, जो कंपनी द्वारा मैनुफैक्चरिंग एवं कार्यस्थल में स्थायित्व को शामिल करने के प्रयासों की पुष्टि करता है। पूरे किए गए कैनवास को युनिट में डिस्प्ले किया जाएगा, जो विश्व मृदा दिवस पर किए गए सामुहिक प्रयासों की याद दिलाता रहेगा। साथ ही पर्यावरण के बारे में जागरुकता बढ़ाने में लोगों की भूमिका के महत्व को उजागर करता रहेगा।

प्रोड्यूसर रास और रनदेव ने मिलकर स्वैग से भरपूर नया सिंगल, 'शी नोज़' लॉन्च किया

नई दिल्ली। आत्मविश्वास का शोरगुल के साथ जोरदार प्रदर्शन करने की संस्कृति के बीच, प्रोड्यूसर रास और वोकलिस्ट रनदेव अपनी नई रिलीज़, 'शी नोज़' में धैर्य, नियंत्रण और मौजूदगी का एहसास पेश कर रहे हैं। 'शी नोज़' में देर रात की ऊर्जा को पेश किया गया है, जब मौजूदगी शब्दों से ज्यादा प्रभावशाली एहसास प्रदान करती है। इसमें फ्लेक्स संस्कृति और संयम के बीच बहते हुए स्वैगर एक ऐसी ध्वनि का निर्माण करता है, जो बहुत शिष्ट, आकर्षक और नियंत्रित होती है।'शी नोज़' गीत भीड़ से भरे हुए परिदृश्य और शोरगुल के बीच स्पष्टता पेश करता है। यह हमें स्मरण कराता है कि आत्मविश्वास के लिए ध्यान को खींचने की जरूरत नहीं होती है। इसके बोल रनदेव ने लिखे हैं, निर्माण रास ने किया है और रनदेव ने इसे अपनी आवाज दी है। इस पर परफॉर्म रनदेव और रास ने किया है। रनदेव के वोकल्स स्पष्ट और संतुलित हैं, जो हर ताल के साथ उभरकर आते हैं। गीत के बोल तीव्र और ऐच्छिक हैं, जो क्लब-रेडी हुक्स से स्ट्रीट-स्मार्ट गीतों के बीच सहजता से प्रवाहित होते हैं। इन सबको साथ में पिरोया है, रास ने, जिनका प्रोडक्शन शुद्ध अपबीट होने के बाद भी मिनिमल है। इसलिए यह ट्रैक बहुत एडिक्टिव हो गया है, जिसमें स्वैगर प्राकृतिक रूप से उभरकर आता है।'शी नोज़' गीत के बोल स्वतंत्रता और आकर्षण के बीच के तनाव का चित्रण करते हैं। यह गीत ऐसे क्षणों का चित्रण करता है, जिनमें कैमिस्ट्री को समझाना नहीं पड़ता है, बल्कि इसका एहसास अपने आप हो जाता है। इसके बोलों में एक शांत अकड़न है, लेकिन यह बहुत नियंत्रित है, ताकि यह गीत जीवंत होने के साथ चंचल भी बना रहे। बड़े सिस्टम, देर रात की ड्राईव और बार-बार सुनने के लिए बनाया गया यह गीत आपके दिल में अपनी जगह बना लेगा।निर्माता रास ने कहा, ''यह गीत उस कैमिस्ट्री के बारे में है, जिसे आपको समझाना नहीं पड़ता है। यह एक शांत आश्वासन है। यह बिना ज्यादा सोचे उस पल में रहने के बारे में है। हमने इसके बोलों और वोकल्स को सादा और नियंत्रित रखा ताकि श्रोता प्रोडक्शन के भाव को आसानी से समझकर अपनी भावनाओं में डूब सकें।''रनदेव ने कहा, ''शी नोज़ उस मौन फ्रीक्वेंसी से निकला है, जिसमें आत्मविश्वास और मौजूदगी का प्रभाव शब्दों से अधिक है। मैं चाहता था कि इसकी रिद्म प्राकृतिक और एडिक्टिव हो, जो बहुत सहज भी हो, और तीव्र एवं चंचल भी। यह गीत ध्यान खींचने की कोशिश नहीं करता, बल्कि आपकी भावनाओं में उतरकर दिल में बस जाता है।

ई-जनसुनवाई: सोमवार को 48 प्रकरणों पर हुई सुनवाई, 19 का मौके पर ही निस्तारण

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के लिए शुरू की गई %ई-जनसुनवाई% व्यवस्था सोमवार को भी प्रभावी रूप से जारी रही। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के नेतृत्व में किए गए इस नवाचार के तहत सोमवार, 12 जनवरी 2026 को विभिन्न जोन्स और शाखाओं में कुल 48 प्रकरणों पर सुनवाई की गई । ई-जनसुनवाई के दौरान सोमवार को कुल 9 शाखाओं और जोन्स, जिनमें पीआरएन-उत्तर, पीआरएन-दक्षिण, जोन 1 से 6 एवं प्रवर्तन शाखा शामिल हैं, के प्रकरणों को सुना गया। सोमवार को कुल 48 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 19 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर प्रार्थियों को राहत प्रदान की गई । इसके अतिरिक्त 11 प्रकरण अभी लंबित हैं जिनका शीघ्र निस्तारण किया जाएगा, जबकि 6 प्रकरणों को आगामी जनसुनवाई के लिए अग्रेषित किया गया है । तकनीकी कारणों या डेटा प्रविष्टि के लिए 11 प्रकरण अभी जोन स्तर पर लंबित हैं और 1 प्रकरण निस्तारण के लिए अयोग्य पाया गया । जेडीए की इस डिजिटल पहल से आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की मजबूरी से मुक्ति मिली है। प्रार्थी अब वेबएक्स ऐप के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर अपनी बात सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रख रहे हैं। इस प्रक्रिया में, यदि प्रकरण नियमानुसार है तो उसका तुरंत समाधान किया जा रहा है और यदि समय लगना है तो एक निश्चित समय-सीमा दी जा रही है। पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग उच्चाधिकारियों द्वारा की जा रही है जिससे पारदर्शिता और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। नागरिकों ने घर बैठे समस्याओं के समाधान की इस व्यवस्था को समय की बचत करने वाला बताते हुए जेडीए प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

भारती पब्लिक स्कूल में मास्टर रामकुमार आर्य की प्रथम पुण्यतिथि पर प्रतिमा अनावरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

भारती पब्लिक स्कूल के संस्थापक तथा आर्य समाज के प्रवर्तक मास्टर रामकुमार आर्य की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर आज गुरुवार 15 जनवरी को श्रद्धांजलि स्वरूप प्रतिमा अनावरण एवं भजनोपदेशक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारती पब्लिक स्कूल, नावता की ढाणी परिसर में आयोजित होगा। भारती पब्लिक स्कूल के निदेशक कर्णपाल सिंह एम ऋषिपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिता मास्टर रामकुमार आर्य की स्मृति में बनाए गए स्मृति मंच एवं प्रतिमा का विधिवत लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम में राजनीतिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां, शिक्षाविद, आर्य समाज की विचारधारा से जुड़े विद्वान, भजनोपदेशक, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रवण कुमार की उपस्थिति भी कार्यक्रम में प्रस्तावित है।कार्यक्रम के दौरान मास्टर रामकुमार आर्य के शिक्षा, साहित्य, संगीत एवं सामाजिक सुधार के क्षेत्र में

किए गए योगदान पर केंद्रित विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें आर्य समाज के भजनोपदेशक अपनी संगीत साधना के माध्यम से तत्काल काव्य एवं भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मास्टर रामकुमार आर्य शिक्षा और संस्कृति के समर्पित साधक थे। वे जीवन पर्यंत संस्कारयुक्त शिक्षा के प्रचार-प्रसार और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए सक्रिय रहे। वे कुशल गायक होने के साथ-साथ चंग और डफ जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के जानकार थे। पचेरी क्षेत्र में लगभग 45 वर्षों तक लोक भजन मंडली के सारथी के रूप में उन्होंने अपनी कला से जनमानस को संस्कारित किया। आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं विभिन्न सांस्कृतिक मंचों पर उनकी मधुर वाणी और प्रस्तुति ने विशेष पहचान बनाई। उनकी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में निर्मित स्मृति मंच का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके विचारों, कला और संस्कारों से प्रेरणा ले सकें। कार्यक्रम को लेकर विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

सराहनीय पहल 'गर्ल्स पावर महिला मंडल' ने 30 गृहणियों को कंबल ओढ़ाकर किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 'गर्ल्स पावर महिला मंडल' चिड़ावा द्वारा 'सम्मान कुशल गृहिणी के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कड़ाके की ठंड को देखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मान देना था, जो विषम परिस्थितियों में भी अपने परिवार का कुशल संचालन करती हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और प्रायोजक भाजपा प्रत्याशी राजेश दहिया रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबूलाल वर्मा, सर्जन डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी माया भांबू, ख्याति केडिया, अशोक शर्मा, रजत

सुरोलिया एवं बृजेश पुनिया मौजूद रहे। अतिथियों ने महिला मंडल के इस सेवाभावी कार्य की सराहना की। मंडल संयोजक एवं 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की ब्रांड एंबेसडर व यूथ आइकॉन पूजा शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं समाज की असली रीढ़ हैं। परिवार के प्रति उनके निस्वार्थ योगदान को पहचानना और सम्मानित करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसी भावना के साथ कार्यक्रम में 30 मातृ शक्तियों को कंबल भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान खेल जगत में शहर का नाम रोशन करने वाली राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी ज्योति एवं गुनगुन को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल सदस्य मधु शर्मा, प्रियंका महला, नीरू इंदिरा, सुमन, रजनी, बरखा, गीता, माया, कृष्णा, नीतू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में मंडल सहसंयोजक नेहा सैनी ने सभी अतिथियों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

बाबा खेतानाथ गौशाला का वार्षिक उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । मुण्डनवाड़ा खुर्द (मुण्डावर, जिला - खैरथल-तिजारा) में बुधवार, 14 जनवरी 2026 को बाबा खेतानाथ गौशाला का वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस पावन पर्व पर मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित इस समारोह में जिले के विशाल एवं मशहूर बाबा खेतानाथ गौशाला में सन्त सिप्रोणी, जन प्रतिनिधि एवं भामाशाह व गौ संरक्षक बड़ी संख्या में पधारे। समारोह में गौमाताओं के संरक्षण और सेवा के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह में गौकशी की दुर्गति को धार्मिक आस्था और मान्यताओं में आई गिरावट के कारण बताया गया है। गौशालाओं का निर्माण एवं ऐसे आयोजनों की भारी आवश्यकता है। बाबा खेतानाथ गौशाला मुण्डनवाड़ा खुर्द के निर्माण में जिन महानुभावों ने भागीदारी की उनके लिए शुभकामनाएं हैं। समारोह में हरियाणा के मशहूर गायक कलाकार श्री नरदेव बेनीवाल, देवेन्द्र फोजी, मनोज चौधरी, कंचन यादव एवं पार्टी द्वारा प्रातः 10 बजे सास्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में महंत शंकरनाथ बाबा खेतानाथ आश्रम जोशीहेड़ा नीमराना, महंत सुमिति गिरी, स्वामी रामदेव एवं सभी सन्त शिरोमणी 08:15 बजे हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक ललित यादव, बलबीर छिल्लर, संदीप यादव, इंदर यादव, कृष्ण चौधरी, विशाल यादव, रविंद्र यादव, रामनिवास यादव, दिलीप यादव, समर सिंह यादव, ब्रह्म प्रकाश मोलावास सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। क्षेत्रवासियों ने गौ माताओं को गुड़ व दलिया खिलाकर खूब दान पुन्य कमाया ।

खेतड़ी के डॉ. धीरज कुमार व डॉ. संदीप जांगिड़ की पुस्तक का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

कस्बे के शिक्षाविद् डॉ. धीरज कुमार और डॉ. संदीप जांगिड़ द्वारा नई शिक्षा नीति (एनईपी) पर आधारित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के स्नातक स्तर पंचम सेमेस्टर की पाठ्यपुस्तक 'भारत का भूगोल' का विमोचन समारोहपूर्वक किया गया। पुस्तक का विमोचन पार्षद हरमेंद्र चनानिया, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. अनिल मावर एवं डॉ. आनंद कुमार के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार की गई यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और विषय की समसामयिक व व्यावहारिक समझ विकसित करने में सहायक बनेगी। डॉ. धीरज कुमार और डॉ. संदीप जांगिड़ ने बताया कि पुस्तक को विश्वविद्यालय के नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार सरल, रोचक एवं तथ्यात्मक ढंग से तैयार किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन में सुविधा मिलेगी। लेखकों की इस शैक्षणिक उपलब्धि पर शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मकर संक्रांति पर विकास नगर रेवाड़ी में सामाजिक समरसता के साथ हवन संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

मकर संक्रांति के पावन पर्व के अवसर पर दिनांक 14 जनवरी 2026 को रेवाड़ी के विकास नगर (बूढ़पुर रोड) में सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द का संदेश देते हुए हवन/यज्ञ का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रमुख समाजसेवी एवं गौसेवक जय सिंह भगत जी एवं ईश्वर सिंह आर्य के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हवन/यज्ञ के माध्यम से समाज में शांति, सद्भाव एवं लोककल्याण की कामना की गई। हवन/यज्ञ की पूर्णाहुति के उपरांत उपस्थित जनसमूह को मूंगफली एवं रेवाड़ी के प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे मकर संक्रांति की परंपरा और उल्लास और अधिक बढ़ गया। इस अवसर पर प्रहलाद सिंह, दिवान चंद, इन्जिनियर राजेश भगत, प्यारेलाल, धर्मपाल, योगेन्द्र सिंह, राम कुमार, नवीन कुमार, नरेंद्र रोहिल्ला, महावीर सिंह, मनोज कुमार, अशोक कुमार, कृष्ण कुमार, सविता देवी, राज कुमारी, सुमित्रा, ललिता, शकुंतला, सुनिता सहित क्षेत्र के अनेकों प्रबुद्ध नागरिक, महिलाएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अन्त में आयोजकों की ओर से पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी एडवोकेट राज कुमार 'जलवा' ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा भविष्य में भी इसी भावना के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहने चाहिए।कें। इस सेवा कार्य में ट्रस्ट के कार्यकर्ता सुरेश सीमार, नरोत्तम दुलगच एवं प्रदीप दुलगच ने सुबह से ही पूरे उत्साह के साथ सक्रिय सहयोग किया। ट्रस्ट द्वारा किए गए इस मानवीय प्रयास की क्षेत्र में सराहना की जा रही है और लोगों ने ट्रस्ट के कार्यों को प्रेरणादायक बताया।

मकर संक्रांति पर डीग में एकल नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । मकर संक्रांति के अवसर पर डीग में श्री मित्र भारत समाज संस्थान के सौजन्य से एकल नृत्य प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस अवसर पर डीग- कुम्हेर भाजपा विधायक डॉ. शैलेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में परिवहन निरीक्षक नीतू शर्मा, बार ऐशोसिएशन अध्यक्ष सुबोध पाराशर, भाजपा नेता जगदीश अजान, लखपत गुर्जर, भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित तिवारी, ब्रह्म कुमरीज की बहनों सहित संस्थान के पदाधिकारी व शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। श्री मित्र भारत समाज संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप कटारा एवं रमनलाल जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। एकल नृत्य के दौरान बालिकाओं ने एक से बढ़कर मनमोहक व

आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। संस्थान द्वारा गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को 201 कंबल वितरित किए गए। इस मौके पर विधायक शैलेश सिंह ने क्षेत्रवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभाओं की सराहना की।प्रतियोगिता के विजेता में प्रथम राधिका, द्वितीय दधीशी जैन, तृतीय अमायरा, चतुर्थ मनीषा फौजदार, संस्थान के संरक्षक मोहनस्वरूप पाराशर, रतन पहलवान राजस्थान केसरी, उमेश पाराशर, विनिता पचौरी, पल्लवी शर्मा, मोहनी, अर्चना किराड, राहुल लवानियां, अनिल गुप्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष, खैमचन्द कोली आदि मौजूद रहे।

निरमा मेघवाल बनीं राजस्थान मेघवाल समाज संस्था बीकानेर की जिला अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्था के प्रदेश सचिव सोहनलाल परिहार ने संगठन का विस्तार करते हुए निरमा मेघवाल को बीकानेर जिला अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) के पद पर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद बीकानेर जिले के समाज बंधुओं में खुशी की लहर है और उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। मूल रूप से कोलायत तहसील के दियातरा गांव की रहने वाली निरमा मेघवाल एक साधारण लेकिन सेवाभावी परिवार से आती हैं। उनके दादा खेमाराम मेघवाल समाज सेवा में हमेशा सक्रिय रहे हैं और वर्तमान में कोलायत स्थित मेघवाल धर्मशाला के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वहीं उनके पिता रुघाराम मेघवाल बॉर्डर होमगार्ड में कार्यरत हैं,

जिन्होंने निरमा को समाज हित में आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रेरित किया। निरमा मेघवाल का सामाजिक और नेतृत्व क्षमता का सफर छात्र जीवन से ही शुरू हो गया था। वह बीकानेर के प्रतिष्ठित महारानी सुदर्शन कॉलेज (एमएस कॉलेज) की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। छात्र राजनीति के दौरान उनके सक्रिय और जुझारू व्यक्तित्व को देखते हुए ही संगठन के प्रदेश सचिव सोहनलाल परिहार ने उन्हें महिला प्रकोष्ठ की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पदभार संभालने के बाद निरमा मेघवाल ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही बीकानेर जिले में महिलाओं की एक मजबूत टीम का गठन किया जाएगा, जो समाज की महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगी। इस नियुक्ति पर कोलायत व बीकानेर क्षेत्र के समाजसेवियों और गणमान्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए गौरवपूर्ण और सकारात्मक निर्णय बताया है।

मकर संक्रांति पर डाडा फतेहपुरा की श्रीकृष्ण गौशाला में हुआ दान-पुण्य, ग्रामीणों ने किया सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर बुधवार को ग्राम पंचायत डाडा फतेहपुरा स्थित श्रीकृष्ण गौशाला में ग्रामीणों द्वारा बढ़-चढ़कर दान-पुण्य किया गया। गांव के प्रत्येक घर से श्रद्धानुसार गौशाला के लिए दान दिया गया, वहीं आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु पहुंचकर गायों के लिए चारा, गुड़, दलिया, खल एवं अन्य सामग्री का दान किया। इस अवसर पर गौशाला परिसर में धार्मिक अनुष्ठान के साथ गौसेवा की गई, जिसे लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण गौशाला के अध्यक्ष सुरेश स्वामी, सचिव देसराज सिंह, कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा सहित

बनवारी लाल मीणा, दिनेश कुमार बनभेरू, राकेश कुमार बागड़ी, सुधीर कुमार जांगिड़, देशराज यादव, हनुमान प्रसाद, धर्मेंद्र, कैलाश गुर्जर, श्रीपाल सिंह, शेर सिंह ठेकेदार सहित अनेक दानदाता उपस्थित रहें। गौशाला पदाधिकारियों ने सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से गौसेवा को मजबूती मिलती है और समाज में सेवा व सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है।

श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य निशुल्क चिकित्सा शिविर गोविंदपुरा में कल

भीम प्रज्ञा न्यूज

पलसाना। ग्राम गोविंदपुरा में 16 जनवरी को श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। सामाजिक कार्यकर्ता गंगासहाय यादव ने बताया कि वैध श्यामसुंदर पारीक संरक्षक श्री श्याम आयुर्वेदिक प्राकृतिक पंचगव्य चिकित्सा एवं योग केंद्र चिड़ावा व जयपुर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा पद्धति के द्वारा विभिन्न रोगों का परामर्श व उपचार दिया जाएगा। प्रातः 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलने वाले शिविर में 30 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार कर करीब 40 प्रमुख आयुर्वेदिक कंपनियां के द्वारा निशुल्क औषधि वितरण की जाएगी।

माई भारत केंद्र के युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में बूंदी के युवाओं ने देखी बीकानेर की विरासत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । माई भारत केंद्र द्वारा आयोजित अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तीसरे दिन बुधवार को कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातः योगाभ्यास के साथ हुई। इसके पश्चात बूंदी से आए युवा प्रतिभागियों को शहर भ्रमण पर ले जाया गया, जहां उन्हें बीकानेर की सांस्कृतिक धरोहर और प्रमुख धार्मिक स्थलों से रूबरू करवाया गया। युवाओं ने रामपुरिया हवेलियों का अवलोकन कर बीकानेर की ऐतिहासिक विरासत और अनूठी शिल्प कला को नजदीक से देखा। इसके साथ ही उन्होंने बजरंग धोरा, वैष्णो धाम एवं खाटू श्याम मंदिर के दर्शन कर धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों की जानकारी प्राप्त की। सायंकालीन सत्र में जिला युवा अधिकारी रूबी पाल के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को उदासर क्षेत्र का ग्रामीण भ्रमण करवाया गया। रविंद्र पंडित के नेतृत्व में युवाओं को ग्रामीण जीवन, स्थानीय संस्कृति, सभ्यता तथा हस्तकला के विभिन्न स्वरूपों से अवगत कराया गया। इस दौरान प्रतिभागियों की मुलाकात खादी एवं हस्तकला से जुड़े परिवारों से करवाई गई तथा स्थानीय

युवा मंडल के कार्यकर्ताओं से भी परिचय करवाया गया।उदासर की खादी, हस्तशिल्प और ग्रामीण कला को देखकर सभी युवा प्रतिभागी अत्यंत उत्साहित नजर आए और उन्होंने आयोजकों व स्थानीय कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सामाजिक समझ और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना बताया गया।

आर्मी डे परेड देखने जयपुर पहुंचे लक्ष्मनगढ के पूर्व सैनिक सपरिवार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पूर्व सैनिक वेलफेयर समिति लक्ष्मनगढ के तत्वावधान में लगभग 86 पूर्व सैनिक एवं उनके परिवारजनों ने जयपुर में आयोजित भव्य आर्मी डे परेड में सहभागिता की। इस अवसर पर समिति की ओर से दो बसों की समुचित व्यवस्था की गई, जिनके माध्यम से सभी पूर्व सैनिक एवं उनके परिजन सुरक्षित, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित रूप से जयपुर पहुंचे। कैप्टन शिवराम सिंह ख्यालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों बसें जिला सैनिक कल्याण बोर्ड, सीकर द्वारा जिला कलेक्टर से अनुरोध कर उपलब्ध करवाई गई थीं। इसके लिए पूर्व सैनिक वेलफेयर समिति लक्ष्मणगढ़ की ओर से जिला सैनिक

कल्याण बोर्ड, सीकर ओर कलेक्टर का आभार व्यक्त किया गया।उन्होंने बताया कि आयोजन में डिस्ट्रिक्ट नोडल अधिकारी एवं कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभा रहे तहसीलदार अमितेश मीणा का मार्गदर्शन रहा।

मकर संक्रांति पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को बांटे तिल के लड्डू व गरम पकोड़े

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों के बीच तिल के लड्डू एवं गरम पकोड़े वितरित किए गए। इस सेवा कार्य के तहत ट्रस्ट कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर सामग्री पहुंचाई, जिससे लाभार्थी परिवारों में खुशी देखी गई।ट्रस्ट के झुंझुनू प्रभारी मनोज कुमार गनोंलिया ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सामाजिक सरोकार निभाते हुए लगभग 20 किलो तिल से बने लड्डू तथा गरम पकोड़े वितरित किए गए। विशेष रूप से दिव्यांग परिवारों को

प्राथमिकता दी गई, जिससे वे इस पर्व को खुशी के साथ मना सकें। इस सेवा कार्य में ट्रस्ट के कार्यकर्ता सुरेश सीमार, नरोत्तम दुलगच एवं प्रदीप दुलगच ने सुबह से ही पूरे उत्साह के साथ सक्रिय सहयोग किया। ट्रस्ट द्वारा किए गए इस मानवीय प्रयास की क्षेत्र में सराहना की जा रही है और लोगों ने ट्रस्ट के कार्यों को प्रेरणादायक बताया।

मकर संक्रांति पर युवा जागृति मंच ने जरूरतमंदों को किया कंबल वितरण, जनसेवा का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर युवा जागृति मंच द्वारा समाजसेवा की एक सराहनीय पहल की गई। मंच के कार्यकर्ताओं ने गौ सेवकों सहित जरूरतमंद लोगों को गरम कंबल वितरित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर युवाओं ने संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का परिचय देते हुए चुन-चुनकर वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिलानी विधायक पितराम सिंह काला रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. माधवानंद सरस्वत ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में संत लाल चावला, सावरमल सैनी, जाफर अली, प्रदीप झाझरिया, सत्यवीर जांगिड़ एवं सुनील शर्मा उपस्थित रहें। युवा जागृति मंच के कार्यकर्ताओं ने केवल सार्वजनिक स्थल पर ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की पहचान कर घर-घर जाकर भी गरम कंबल वितरित किए, जिससे वास्तविक पात्र लोगों तक सहायता सुनिश्चित हो सकी। इस सेवा कार्य में युवा जागृति मंच के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मोयल, अजय सिंह कुल्हार, शैलेंद्र सिंह, मनोज भास्कर, विनोद मोयल (अंतरराष्ट्रीय

खिलाड़ी), मुकेश रायला, बनवारी लाल सैनी, राजेंद्र सैनी, जगमल पूनिया, जीतू कुमावत, हरिराम नायक, कवि राज सिंह, सुरेश अलारिया, सुबे पूनिया, महावीर कुमावत, रविंद्र शर्मा, मनोज शास्त्री, राजेंद्र शेखावत सहित बड़ी संख्या में मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि युवाओं की भागीदारी से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है और ऐसे सेवा कार्य समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। अंत में मंच की ओर से भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्य लगातार करने का संकल्प लिया गया।

सलेमपुर में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने 2 करोड़ के 33 केवी जीएसएस का किया लोकार्पण

साथ ही 2 करोड़ के स्वास्थ्य भवन का भूमि पूजन, कुश्ती दंगल में विजेता पहलवानों को दिए इनाम।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र की सलेमपुर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर बुधवार को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर विकास, संस्कृति और खेल का ऐसा भव्य संगम देखने को मिला जिसने पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा भर दी।राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और महवा विधायक राजेंद्र मीणा ने एक साथ कई बड़े जनहित कार्यों का शुभारंभ कर सलेमपुर और आसपास के गांवों को ऐतिहासिक सौगात दी। ग्रामीणों की मौजूदगी में 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन, जिसकी लागत करीब 2 करोड़ रुपये है, का विधिवत लोकार्पण किया गया, वहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 2 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमि पूजन भी संपन्न कराया गया। इसके साथ ही हर वर्ष की भांति आयोजित विशाल कुश्ती दंगल में दोनों जनप्रतिनिधियों ने शिरकत कर विजेता पहलवानों को इनाम देकर उनका उत्साहवर्धन किया। 33 केवी जीएसएस के लोकार्पण के बाद विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि इस सब स्टेशन के शुरू होने से आसपास के दर्जनों गांवों में वर्षों से चली आ रही बिजली की समस्या का स्थायी समाधान होगा और किसानों को सुचारू व गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी, जिससे कृषि कार्यों को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम बताया। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के भूमि पूजन के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर इलाज, समय पर उपचार और आपातकालीन सेवाओं की सुविधा सुनिश्चित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिससे गरीब व जरूरतमंद ग्रामीणों को अब इलाज के लिए शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके पश्चात कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और विधायक राजेंद्र मीणा ने मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित स्थानीय संस्कृति, परंपरा और भाईचारे के प्रतीक विशाल कुश्ती दंगल में भाग लिया। पहलवानों की दमदार कुश्ती, जोश और जज्बे को देखकर पूरा मैदान तालियों और उत्साह से गूंज उठा। विजेता पहलवानों को इनाम देकर दोनों नेताओं ने उनका हौसला बढ़ाया और युवाओं को खेलों से जुड़कर आगे बढ़ने का संदेश दिया। ग्रामीण युवाओं में कुश्ती के प्रति उमड़े जोश को देखकर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल उन्हें मंच, संसाधन और प्रोत्साहन देने की है। कार्यक्रम के दौरान मिले भव्य स्वागत-सत्कार पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने उपस्थित आमजन और पूरी बस्ती माता का आभार जताते हुए कहा कि आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सलेमपुर सहित पूरे महवा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार और तेज की जाएगी और किसी भी गांव को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन तथा दूर-दराज से आए पहलवान मौजूद रहे।

मंडावा में मकर संक्रांति का पर्व

स्थानीय लोगों सहित विदेशी पर्यटको से अटी रही छतें, रंग-बिरंगी पतंगों से अटा आसमान, डीजे की धुनों के साथ वो काटा-वो मारा का गूंजा शोर

विदेशी पर्यटको ने कहा भारत है पर्वो का देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

मंदिरों में दर्शन के बाद घरों में चला दान-पुण्य का दौर, गौशालाओं में गायों को हरा चारा व गुड़ खिलाकर की सेवा

पवन कुमार शर्मा । शेखावाटी अंचल के हेरिटेज सिटी उपखंड क्षेत्र मंडावा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में बुधवार को खुशियों का पर्व मकर संक्रांति धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पतंगबाजों से छते फुल रही, वहीं रंग-बिरंगी पतंगों से नीला आसमान भी अटा रहा। साथ ही डीजे की धुनों के साथ वो काटा-वो मारा के शोर से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। सूर्योदय के साथ ही पतंगबाजी के शौकीन हर उम्र के लोग पतंग-डोर लेकर छतों पर चढ़ गए और देर शाम तक पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। मकर संक्रांति के पर्व पर पतंग महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। मकर संक्रांति के पर्व पर स्थानीय लोगों सहित विदेशी पर्यटको ने जमकर पतंगबाजी का आनंद लिया । सुबह के समय से ही हवा भी मध्यम गति से चली, इस वजह से पतंगबाज काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं पर्व को लेकर अल सुबह से ही लोग मंदिरों में दर्शन कर दान पुण्य करते दिखाई दिए। गौशालाओं में पहुंचकर लोगों ने गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाया। इस दौरान होटल हैरिटेज ,राधिका हवेली, सिंहासन हवेली होटल रूफ पर पतंग महोत्सव का आयोजन मधुसूदन खेमानी, अरविंद पारीक श्री कांत जोशी, संदीप शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय ओर जयपुर से आए पतंगबाजों के साथ साथ विदेशी पर्यटको ने जमकर पतंगबाजी की। इस दौरान विदेश सैलानी मीगेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति क्यूबेक अलग ही पहचान है। यहां त्यौहारों को मनाने का तरीका काफी विशेष है। मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाकर काफी आनंद आया। इस अवसर पर मदन ढाका, महेश दुगोलिया, अरविंद भूकान, विद्याधर सैनी, जवाहर काला, शंकर सुरोलिया, सजन शर्मा दिनवावाले, विष्णु दुगोलिया, विश्वनाथ बारी,किशोर सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। वहीं जिला प्रशासन ने आमजन से चाईनीज मांझे का उपयोग ना करने की अपील की है। मकर संक्रांति के पर्व पर आज सुबह ग्रामीण इलाके कोहरे के आगोश में लिपटे थे , लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही नीला आसमान साफ नजर आने लगा है। लोग छतों पर चढ़कर डीजे की धुन पर पतंगबाजी का लुत्फ उठा रहे हैं। मकर संक्रांति पर स्थानीय लोगो के साथ विदेशी पर्यटको ने पतंगबाजी के साथ मकर सक्रांति पर बनाये गए विशेष पकवानों का लुत्फ उठाया।

हीरवाना गौशाला में नानी बाई रो मायरो कथा का समापन

मकर संक्रांति पर गौशाला में दानदाताओं का लगा तांता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंवरा।

सुमेर मीणा । क्षेत्र की प्रसिद्ध श्री कृष्ण गौशाला एवं नंदीशाला संस्थान चंवरा हीरवाना में बामलास धाम के महंत लक्ष्मण दास महाराज के सानिध्य में चल रही नानी बाई रो मायरो कथा में कथावाचक विपुल शास्त्री ने कहा कि भगवान पर सर्वस्व न्योछावर करने पर परमात्मा अपने भक्त की लाज अवश्य बचाते हैं। जिस प्रकार भक्त नरसी की सच्ची भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान स्वयं अंजार नगर पहुंचकर नानी बाई के 56 करोड़ का मायरा भरा। इसलिए हमेशा भगवान का स्मरण करते रहे। कथा के समापन पर अतिथियों और दानदाताओं का सम्मान किया गया। मकर संक्रांति पर गौशाला में सुबह से देर शाम दानदाताओं का तांता लगा रहा। कथा समापन के दौरान उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी, गौशाला अध्यक्ष शीशराम खटाणा, कोषाध्यक्ष बनवारीलाल लाल जांगिड़, बुद्धि प्रकाश सोनी, राजेन्द्र दोराता, मनदीप बराला, विक्रम सिंह शेखावत, श्रीचंद बराला, हीरालाल मास्टर, गोपाल सिंह शेखावत, नरेंद्र दाधीच, रोहिताश गुर्जर, महावीर रावत, संदीप गाडिया सहित काफ़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गौशाला में गौ माता के लिए भामाशाह बुद्धि प्रकाश सोनी ने करवाई एक लाख रुपए की एफडी

चंवरा के भामाशाह बुद्धि प्रकाश सोनी ने हीरवाना गौशाला में गौ माता के लिए एक लाख रुपए की एफडी करवाई। जिसका चेक गौशाला समिति को सौंपा गया। गौशाला परिवार द्वारा भामाशाह बुद्धि प्रकाश सोनी का सम्मान किया गया। महंत लक्ष्मण दास महाराज ने कहा कि गौ माता और प्राणी मात्र की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। प्रत्येक मनुष्य को अपनी नेक कमाई में से दान पुण्य अवश्य करना चाहिए।

सहयोग एक पहल संस्थान द्वारा मकर संक्रांति पर सिंघाना में दान-पुण्य का भावपूर्ण आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कस्बे में दान-पुण्य और सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सहयोग एक पहल संस्थान की ओर से बुहाना मोड़ पर राहगीरों के लिए विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन के तहत सुबह से ही आने-जाने वाले यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को गरम-गरम पकौड़ी नाश्ता वितरित किया गया। सेवाभाव से प्रेरित इस कार्यक्रम में टीम डी.पी. सैनी, डॉ. ईश्वर सिंह, शीशराम ठेकेदार, रामनिवास हलवाई, वेदप्रकाश ठेकेदार एवं इक़बाल खान का विशेष सहयोग रहा। सभी सहयोगियों ने व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे कार्यक्रम सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ। संस्थान अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने बताया कि मकर संक्रांति जैसे पर्व समाज में आपसी सहयोग, समर्पण और मानव सेवा का संदेश देते हैं। इस अवसर पर राहगीरों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया। संस्थान ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

आज के इस कार्यक्रम में सहयोग एक पहल संस्थान के अध्यक्ष डी.पी. सैनी, महासचिव अजीत जांगिड़, कोषाध्यक्ष सियाराम शर्मा, संगठन महामंत्री इक़बाल खान, संरक्षक विक्रम सैनी, संस्थापक सदस्य ईश्वर सिंह, रामनिवास हलवाई, उपाध्यक्ष शीशराम ठेकेदार, सचिव रफीक खान, कपिल सैनी, वेदप्रकाश ठेकेदार, मीडिया प्रभारी रणजीत सैनी, प्रचार मंत्री राजू गराटी, बनवारीलाल गुरुजी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कालोडीया सहित रविचंद सैनी, कुमाराम शर्मा, अमरसिंह सैनी, डॉ. सुरेंद्र सैनी, विशाल भोदन, रामजीलाल सैनी, विवेक सैनी, रमेश फौजी, अर्जुन सैनी, सुनील ई-मित्र, हवासिंह चौधरी, हिमांशु, प्रिंस पटवारी, सुनील दत्त गुरुजी, अशोक शर्मा, भूपसिंह यादव, आकाश, महेश सैनी, अभिषेक सैनी, आशिफ खान, इरशाद अहमद, बनवारीलाल ठेकेदार, बबलू फागणा, गणेशाराम सैनी, रामप्रसाद, अनुज ई-मित्र, ऋषि सैनी, अमन जांगिड़, अजय जांगिड़, अरविंद सैनी आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने कच्ची बस्ती में मनाई मकर संक्रांति, वितरित किए पकवान और पतंग

त्योहारों की असली खुशी अपनों के बीच सेवा करने में ही है- सोनू शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को मुख्य धारा से जोड़ने और सेवा कार्यों को समर्पित लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मकर संक्रांति का पर्व स्टेशन के पास स्थित कच्ची बस्ती में जरूरतमंदों के बीच मनाया गया। ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने बस्ती के परिवारों के साथ खुशियां बांटीं और सनातन संस्कृति के महत्व को साझा किया। कार्यक्रम में युवा नेता अभिषेक शर्मा सोनू और युवा उद्यमी महताब योगी ने अपने हाथों से जरूरतमंदों को मकर संक्रांति के विशेष पकवान भेंट किए। बस्ती के बच्चों को जब बिस्कुट, नमकीन, पतंग और धागा मिला तो उनके चेहरे खिल उठे। इसके साथ ही सभी परिवारों को जलेबी, तिल के लड्डू और मिठाइयां वितरित की गईं।अभिषेक शर्मा सोनू ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों की असली खुशी अपनों के बीच सेवा करने में ही है। कार्यक्रम जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया के नेतृत्व में आयोजित हुआ। उन्होंने शुरुआत में अतिथियों को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने बताया कि ट्रस्ट पिछले छह साल से लगातार जरूरतमंद परिवारों की मदद कर रहा है। हर बड़े त्योहार पर उनके बीच पहुँचने का उद्देश्य यह है कि इन परिवारों को भी अपनी संस्कृति और उत्सवों का अहसास हो सके। उसके बाद उनके बीच ट्रस्ट का गीत गाया गया। युवा उद्यमी महताब योगी ने बस्ती वासियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए ट्रस्ट के सेवा कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता बढ़ती है। इस सेवा कार्य के दौरान प्रमोद नायक सहित ट्रस्ट के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे और वितरण व्यवस्था में सहयोग किया।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को मिला सम्मान व स्वास्थ्य सुरक्षा- कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने गांव समैन में उजवल्ला योजना के लाभार्थियों को बांटे गैस कनेक्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गांव समैन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने पात्र लाभार्थियों को गैस सिलेंडर एवं गैस चूल्हों का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2016 में प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य गरीब एवं वंचित परिवारों की महिलाओं को धुएं से मुक्त रसोई उपलब्ध कराना है, ताकि उनके स्वास्थ्य की रक्षा के साथ-साथ जीवन स्तर में भी सुधार हो सके। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को बिल्कुल निशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। योजना का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मिलता, जिनके परिवार में पहले से किसी भी सदस्य के नाम एलपीजी गैस कनेक्शन नहीं था। इस योजना के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र परिवार स्वच्छ ईंधन के लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं लकड़ी, उपले और अन्य परंपरागत ईंधनों से खाना बनाने को मजबूर थीं, जिससे धुएं के कारण आंखों और फेफड़ों से संबंधित गंभीर बीमारियां होती थीं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को इस समस्या से राहत दिलाई है और उनके स्वास्थ्य, समय और सम्मान की रक्षा की है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह योजना केवल गैस कनेक्शन देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है। आज महिलाएं सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक तरीके से भोजन बना पा रही हैं, जिससे उनका समय बच रहा है और वे परिवार व समाज के अन्य कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा पा रही हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी तरीके से लाभान्वित कर रही है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि वृद्धजन, दिव्यांगजन, विधवा एवं अन्य पात्र वर्गों को घर बैठे सामाजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लाड़ो लक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। इस योजना का लाभ महिलाओं को सीधे प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनें और अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में योगदान दे सकें।

इस अवसर पर भाजपा नेता जयदीप बराला ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना केंद्र सरकार की एक ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी पहल है, जिसने ग्रामीण और गरीब परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। जयदीप बराला ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि वे इस योजना का सही उपयोग करें और अपने परिवार को धुएं से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखें। इस अवसर पर भाजपा नेता जयदीप बराला, सरपंच रणबीर सिंह गिल, किसान नेता सूबे सिंह समैन, डीएफएससी विनीत जैन, भूपेंद्र सिंह, परवीन गिल, विकास ललौदा, रघबीर गिल, नरेंद्र सिंह, प्रताप सिंह, राजवीर, हरद्वारी, सुरेश पांचाल, सुशील शास्त्री, राजकुमार बेदी पूर्व सरपंच, जोरा सिंह प्रधान, सुरेंद्र परोधा, सुरेंद्र कालीरावन, वीरेंद्र सहित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, गैस एजेंसी के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने मकर संक्रांति पर जरूरतमंद लोगों को वितरित की उपयोगी सामग्री

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सनातन धर्म की परंपराओं के अनुरूप दान-पुण्य, सेवा एवं सामाजिक समरसता का प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा कार्य ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी एवं गिरधारी लाल जाजोदिया के सानिध्य मे आयोजित हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा कच्ची बस्तियों में निवास करने वाले आम नागरिकों, जरूरतमंद परिवारों, महिलाओं, पुरुषों एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों को गर्म जूते, जुराबें, चप्पल, तिल के लड्डू, बेसन के लड्डू, स्वेटर, प्लास्टिक के मग व बर्तन, बिस्कुट, चॉकलेट सहित अनेक आवश्यक उपयोगी सामग्री वितरित की। कार्यक्रम में ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, राजेश शर्मा (कल्लू), लोकित दईया, रोहित दईया, विवेक तंवर, हरलाल गवारिया सहित ट्रस्ट के संरक्षक, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। सेवा कार्य आगे भी जारी रहेंगे। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट लक्ष्मणगढ़ ने यह संकल्प दोहराया कि भविष्य में भी राहत सामग्री वितरण, सामाजिक सेवा एवं जरूरतमंदों के जीवन को बेहतर बनाने हेतु हर संभव प्रयास निरंतर जारी रखे जाएंगे। यह कार्यक्रम न केवल मकर संक्रांति का उत्सव था, बल्कि मानवता, करुणा, आत्मसम्मान और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

मकर संक्रांति के महापर्व भगवा रक्षा वाहिनी ने किया सेवा कार्य, लगाया भंडारा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से मकर संक्रांति पर सेवा कार्य कर जरूरतमंद लोगों के लिए भंडारा लगाया। वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष एवं समाजसेवि प्रभु दयाल काबरा की प्रेरणा एवं दानदाता के सहयोग से मकर संक्रांति पर पूरे दिन गरमा गरम पकौड़ी एवं गरम-गरम जलेबी का भंडारा लगाया गया जिसमें वाहिनी के संरक्षक सुरेश जाजोदिया गिरधारी लाल जाजोदिया अध्यक्ष जयशंकर पुजारी उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार महामंत्री अमित कुमार जोशी व्यवसायी चंपालाल काबरा नवीन काछवाल पार्षद विष्णु शर्मा कोषाध्यक्ष विनोद जैन महेंद्र सैनी राकेश दाधीच प्रवक्ता रवि प्रकाश जोशी एवं संदीप शर्मा नेता सुरेश बीबीपुरिया विक्रम सिंह तंवर रामेश्वर मेघवाल मुरारी लाल सैनी महेश सैनी सुरेश चिरानिया सुशील पुजारी सुभाष पुजारी चिराग पुजारी निखिल पुजारी सरवन मिश्रा जय सिंह विनोद पाराशर दीनदयाल पाराशर मुकेश पाराशर वीरेंद्र भार्गव आदि सभी ने अपनी सेवाएं दी।

बड़ोद में भीम आर्मी भारत एकता मिशन की समीक्षा बैठक, कार्यकारिणी का विस्तार कर नए पदाधिकारियों की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । बड़ोद में बुधवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन की समीक्षा बैठक एवं कार्यकारिणी विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, विस्तार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कोटपूतली-बहरोड़ भीम आर्मी जिला अध्यक्ष मुकेश गोठवाल ने कहा कि भीम आर्मी वह संगठन है जो दबे-कुचले, शोषित और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद करने का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य संविधान के दायरे में रहकर सामाजिक समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष करना है। बैठक के दौरान भीम आर्मी बहरोड़ ब्लॉक की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इसमें राजवीर मेघवाल (बड़ोद) को ब्लॉक सचिव बहरोड़ तथा गिरधारीलाल वाल्मीकि को बड़ोद इकाई अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की ओर से बधाई दी गई। कार्यक्रम में भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र मेहरा, कोटपूतली - बहरोड़ जिला अध्यक्ष मुकेश गोठवाल, खैरथल (तिजारा) जिला अध्यक्ष छंगाराम, जिला सचिव कर्मपाल, ब्लॉक अध्यक्ष बहरोड़ अमित कुमार, जिला सदस्य मनीष शामदिया, बड़ोद इकाई अध्यक्ष राजवीर, इकाई सचिव गिरधारीलाल वाल्मीकि, संदीप मास्टर, सुबेसिंह गोठवाल, सोनू यादव (नांगल खोडिया), चेयरमैन प्रतिनिधि छोटेलाल, इकाई सचिव बिल्लू, राजेश सैनी, अशोक यादव सहित सर्व समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

यदुवंशी स्कूल का 32वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, 32 लाख की छात्रवृत्ति वितरित

अतिथियों ने राव चिरंजीलाल नवनिर्मित धर्मशाला का विधिवत रूप से उद्घाटन किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

यदुवंशी स्कूल, सोहली में विद्यालय का 32वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य अतिथि, शिक्षाप्रेमी, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी धर्मवीर सिंह (सांसद) ने की। विशिष्ट अतिथियों में रामबिलास शर्मा (पूर्व मंत्री), ओमप्रकाश यादव (विधायक व पूर्व मंत्री), लक्ष्मण सिंह यादव (विधायक, रेवाड़ी), कंवर सिंह यादव (विधायक, महेंद्रगढ़) तथा डॉ. कृष्ण कुमार (विधायक, अटेली) शामिल रहे। महेंद्रगढ़ जिला एवं बुहाना तहसील क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, समूह नृत्य, संगीत एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विद्यार्थियों की आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों को भावविभोर कर दिया। मंच से अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के आगमन पर महेंद्रगढ़ से सोहली तक भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, बैनर, ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ जनसमूह ने उनका अभिनंदन किया। अपने संबोधन में राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि संगठन की शक्ति और आपसी सहयोग से ही क्षेत्र का विकास संभव है। उन्होंने कहा कि राव बहादुर सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं और ऐसे प्रयासों से समाज का भविष्य मजबूत होता है।

विधायक महेंद्रगढ़ कंवर सिंह यादव ने कहा कि यदुवंशी स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में जो पहचान बनाई है, वह अनुकरणीय है। यहां विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की शिक्षा भी दी जाती है। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से यह स्पष्ट है कि यह विद्यालय भविष्य के जिम्मेदार नागरिक तैयार कर रहा है।

यदुराइज योजना के तहत 32 लाख की राशि से सम्मान

विद्यालय प्रबंधन द्वारा यदुराइज योजना के अंतर्गत चयनित मेधावी विद्यार्थियों को कुल 32 लाख रुपये की नकद छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सम्मान से विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला तथा अभिभावकों ने भी विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

बड़ी संख्या में गणमान्य लोग रहे उपस्थित

इस अवसर पर फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, नीता यादव, सुरेश यादव, मुकेश यादव, वीरेंद्र सिंह, शर्मिला, मुकेश, सुनीता, डॉ. राजेश सहित आसपास के अनेक ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित रहे और कार्यक्रम को यादगार बनाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा अतिथियों ने विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राव बहादुर सिंह का भावनात्मक संबोधन

ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि 32 वर्षों की यह यात्रा यदुवंशी परिवार के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय ने शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को सदैव प्राथमिकता दी है। यदुराइज जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन दिया जा रहा है। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

सोहली में नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन

यदुवंशी स्कूल के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान सोहली गांव में मुख्य अतिथियों की मौजूदगी में राव चिरंजीलाल नवनिर्मित धर्मशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, विधायक कंवर सिंह यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर धर्मशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई तथा ग्रामीणों ने अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया। ग्रामीणों ने धर्मशाला निर्माण को समाज के लिए उपयोगी बताते हुए इसे सामाजिक व धार्मिक आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया।

सोशल मीडिया पर अपराध को बढ़ावा देने वालों पर शिकंजा, सीआईए फतेहाबाद की कार्रवाई

इंस्टाग्राम पर आपराधिक गतिविधियों को प्रमोट करने वाले अकाउंट के फॉलोअर्स को किया तलब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस* के दिशा-निर्देशन में सीआईए फतेहाबाद द्वारा सोशल मीडिया पर अपराध को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में सीआईए फतेहाबाद ने इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर आपराधिक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले अकाउंट्स के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की है।सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान इंस्टाग्राम आईडी संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाई गई, जिसके माध्यम से अपराध को महिमामंडित कर युवाओं को गलत दिशा में प्रेरित किया जा रहा था। इस पर कार्रवाई करते हुए उक्त आईडी के कुल 8 फॉलोअर्स को सीआईए फतेहाबाद में तलब किया गया। तलब किए गए सभी व्यक्तियों ने अपनी-अपनी इंस्टाग्राम आईडी से उक्त अकाउंट को अनफॉलो कर ब्लॉक किया। उनसे पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए गए तथा सोशल मीडिया आईडी का विवरण भी प्राप्त किया गया। ये सभी व्यक्ति गांव ब्राह्मणवाला एवं रतिया क्षेत्र से संबंधित हैं। पुलिस द्वारा उपस्थित व्यक्तियों को अपने गांव व आसपास के युवाओं को सोशल मीडिया के दुरुपयोग और अपराध से दूर रहने के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए। सीआईए फतेहाबाद ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी सोशल मीडिया पर अपराध को बढ़ावा देने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खेल मैदान से सम्मान मंच तक: फतेहाबाद पुलिस लाइन के बच्चों की प्रेरक उड़ान

एसपी सिद्धांत जैन ने राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । कहते हैं कि जब नेतृत्व संवेदनशील हो और सोच कल्याणकारी, तो उसका प्रभाव केवल व्यवस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी संवार देता है। फतेहाबाद पुलिस लाइन आज ऐसी ही एक सफल और प्रेरणादायक कहानी की साक्षी बन चुकी है, जहाँ पुलिस कर्मचारियों के बच्चों ने अपने सपनों को साकार कर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर जिले और पुलिस विभाग का नाम रोशन किया है।इस प्रेरक बदलाव के केंद्र में हैं पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पुलिस कर्मचारियों और उनके परिवारों के समग्र कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने यह स्पष्ट संकल्प लिया कि पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ तथा सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि पुलिसकर्मी निश्चिंत होकर राष्ट्र और समाज की सेवा कर सकें। इसी सोच के तहत पुलिस लाइन क्षेत्र में साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत संरचना का व्यापक विकास किया गया। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की स्थापना, हाई-टेक लाइब्रेरी, आधुनिक डिस्पेंसरी, नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर तथा स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित खेल स्टेडियम जैसी सुविधाएँ इस बदलाव की मजबूत नींव बनीं।

खेल मैदान से सम्मान मंच तक - बच्चों की उड़ान

पुलिस लाइन स्थित खेल स्टेडियम में उपलब्ध बेहतर माहौल, आधुनिक संसाधनों और अनुशासित दिनचर्या ने बच्चों के सपनों को नई दिशा दी। कोच विनोद कुमार के कुशल मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप फतेहाबाद पुलिस लाइन के 10 होनहार बच्चों ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में गोल्ड व सिल्वर मेडल जीतकर न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया। इसके अतिरिक्त, हरियाणा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी इन उभरते खिलाड़ियों ने लगभग 10 गोल्ड व सिल्वर मेडल अपने नाम कर यह सिद्ध कर दिया कि यदि सही वातावरण और मार्गदर्शन मिले, तो प्रतिभा किसी भी ऊँचाई को छू सकती है। राष्ट्रीय स्तर पर मोहित और मुस्कान ने एथलेटिक्स में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल हासिल किए, जबकि अक्षी, अलीशा, रीतू, निकिता, रीधम, माधव, कार्तिक, शौरभ एवं भविष्य ने राज्य स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर फतेहाबाद पुलिस का मान बढ़ाया।

सम्मान का क्षण - प्रेरणा का संदेश

इन सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आज पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने अपने कार्यालय में आमंत्रित कर मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह सफलता अनुशासन, निरंतर परिश्रम, अभिभावकों के सहयोग और सही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी फतेहाबाद पुलिस ऐसी प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हेरोइन तस्करी के मुख्य सप्लायर को काबू

पहले काबू हो चुकी महिला आरोपी से जुड़े मामले में सप्लायर पर शिकंजा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के एक मामले में हेरोइन तस्करी के मुख्य सप्लायर को काबू करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस मामले में इससे पूर्व एक महिला आरोपी को नशीले पदार्थ सहित काबू किया जा चुका है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि दिनांक 12.01.2026 को अपराध अनुसंधान शाखा टोहाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव लोहाखेड़ा में कार्रवाई करते हुए हेरोइन तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच की। पहले काबू की गई महिला आरोपी संदीप कौर के खुलासों के आधार पर पुलिस ने उसके पति एवं महेंद्र सिंह उर्फ मिंदू पुत्र प्रीतम सिंह निवासी लोहाखेड़ा, तहसील टोहाना, जिला फतेहाबाद को काबू किया। आरोपी के विरुद्ध थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 22 दिनांक 12.01.2026 के तहत धारा 21(बी), 25, 61 व 85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। इससे पूर्व इसी मामले में आरोपी की पत्नी संदीप कौर पत्नी महेंद्र सिंह उर्फ मिंदू निवासी लोहाखेड़ा को 7.78 ग्राम हेरोइन व नकद राशि सहित काबू किया जा चुका है, जिसकी बरामदगी नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में की गई थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी महेंद्र सिंह उर्फ मिंदू को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में नशा तस्करी से जुड़े अन्य लिंक, सप्लाई चैन तथा संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका को लेकर जांच जारी है।

इस नेटवर्क के मुख्य सप्लायर की पहचान की। जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए

राव इंद्रजीत सिंह को किसी के वजूद की जरूरत नहीं, बल्कि विरोधियों के वजूद को है राव साहब की जरूरत : आरती सिंह राव

कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने विरोधियों पर तीखा प्रहार करते हुए दिया जवाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़ रेवाड़ी / आलोक भांडोरिया

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह राव ने विरोधियों पर करारा हमला बोलते हुए साफ शब्दों में कहा कि राव इंद्रजीत सिंह सिर्फ दक्षिण हरियाणा ही नहीं, बल्कि प्रदेश के बड़े और कद्दावर नेता हैं।

उन्होंने अपने विरोधियों को दो टूक कहा कि राव इंद्रजीत सिंह को उनके वजूद की जरूरत नहीं है, बल्कि उनके वजूद को राव इंद्रजीत सिंह की जरूरत है। आरती सिंह राव का यह बयान ऐसे समय आया है जब बीते कुछ दिनों से राव इंद्रजीत सिंह बनाम विरोधी नेताओं के बीच सियासी बयानबाज़ी तेज़ चल रही है। बता दें कि हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने दावा किया था कि अगर उनका समर्थन नहीं होता तो राव इंद्रजीत सिंह गुरुग्राम से चुनाव नहीं जीत पाते। वहीं नांगल चौधरी के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री अभय यादव ने भी राव इंद्रजीत सिंह की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। इन तमाम आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री आरती सिंह राव ने साफ कर दिया कि राव इंद्रजीत सिंह का राजनीतिक कद किसी परिचय या सहारे का मोहताज नहीं है। वहीं इस दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आरती राव ने मनरेगा का नाम बदलकर वीबी जी राम जी किए जाने पर कांग्रेस के विरोध को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद इस योजना का नाम तीन बार बदल चुकी है। पहले जवाहर योजना, फिर नरेगा और बाद में मनरेगा किया गया। अब भाजपा द्वारा एक बार नाम बदलने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या नाम बदलने का ठेका कांग्रेस ने ही ले रखा है? इस मौके पर उनके साथ विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली विधायक अनिल यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली, नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष हुकम सिंह यादव, जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल, धीरज शहबाजपुर, जतिन अरनेजा, प्रवीण शर्मा, नितेश अग्रवाल, सावन, सतपाल, नीतू सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर मानवता की बड़ी मिसाल, पूर्व सरपंच रामनिवास गोयल परिवार ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल, राशन किट व तिल-गुड़ के लड्डू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मकर संक्रांति के पावन पर्व पर मंडावर शहर में बुधवार को सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का ऐसा जीवंत दृश्य सामने आया जिसने पूरे क्षेत्र को भावुक कर दिया। पूर्व सरपंच रामनिवास गोयल, उनकी धर्मपत्नी एवं पुत्र पदम गोयल व पुत्रवधु (पंचायत समिति सदस्य) पूजा गुप्ता ने अपने निजी परिसर में क्षेत्र की अत्यंत गरीब व जरूरतमंद महिलाओं और बेहद जरूरतमंद लोगों को आमंत्रित कर उन्हें राशन किट, गुड़, तिल के लड्डू और सर्दी से बचाव हेतु कंबलों का वितरण किया। पर्व की शुभ बेला में हुए इस सेवा कार्य ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि असली पर्व वही है, जिसमें जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आए और बेसहारा को सम्मान के साथ सहारा मिले। गोयल परिवार ने पूरे आत्मीयता और गरिमा के साथ प्रत्येक महिला व जरूरतमंद व्यक्ति को सामग्री वितरित की और सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। ठंड से कांपते हाथों में जब कंबल पहुंचे और घर की जरूरत के लिए राशन मिला तो जरूरतमंद महिलाओं की आंखें भर आईं और चेहरे पर सच्ची खुशी झलक उठी। जरूरतमंदों ने भावुक होकर गोयल परिवार का आभार जताया और दिल से दुआएं दीं। परिसर में आशीर्वाद, कृतज्ञता और अपनत्व का ऐसा माहौल बना जिसने हर मौजूद व्यक्ति को भीतर तक छू लिया। कार्यक्रम के दौरान गोयल परिवार के साथ क्षेत्र की अनेक विधवा महिलाएं और जरूरतमंद लोग उपस्थित रहें।

अय्यर के पास सुनहरा मौका, 34 रन बनाते ही रच देंगे नया इतिहास

● सचिन-कोहली-रोहित को भी छोड़ देंगे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला श्रेयस अय्यर के लिए खास होने वाला है. बुधवार को राजकोट में खेले जाने वाले मैच में भारतीय उपकप्तान श्रेयस अय्यर के पास इतिहास रचने का बड़ा मौका है. अय्यर अपने वनडे करियर के 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 34 रन दूर हैं. अगर वह यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वह

ऐसा कारनामा कर दिखाएंगे, जो उनसे पहले कई दिग्गज भारतीय बल्लेबाज नहीं कर पाए हैं. सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने का मौका श्रेयस अय्यर ने अब तक 68 वनडे पारियों में 2,966 रन बनाए हैं. अगर वह दूसरे वनडे में 34 रन बना लेते हैं, तो वह महज 69 पारियों में 3,000 रन पूरे कर लेंगे. इसके साथ ही वह भारत की ओर से सबसे कम पारियों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे. अभी यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में 3,000 रन पूरे किए थे. विराट कोहली को इस मुकाम तक पहुंचने में 75 पारियां लगी थीं, जबकि रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर भी इस सूची में उनसे पीछे हैं.

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए घोषित की टी20 टीम

● होप की गैरमौजूदगी में इसे मिली कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जो 19 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप की गैरमौजूदगी में ब्रैंडन किंग टीम की कप्तानी करेंगे, जो अपन कमिटमेंट्स के कारण उपलब्ध नहीं हैं। होप उन चार खिलाड़ियों में से एक हैं जो इस कारण से सीरीज से बाहर हैं, उनके साथ रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है। अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद एहतियात के तौर पर लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वकर्लोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

● टी20 वर्ल्ड कप से पहले दुनिया की सबसे सफल क्रिकेटर का संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ खेलेंगी आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और आठ वर्ल्ड कप खिताब के साथ अब तक की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली को 2023 के आखिर में मेग लैनिंग की जगह फुल टाइम कप्तान बनाया गया था। वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगी ताकि ऑस्ट्रेलिया साल के आखिर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी शुरू कर सके, लेकिन वह वनडे मैच खेलेंगी और फिर 6-9 मार्च को वाका में होने वाले डे-नाइट मैच में अपने 11वें टेस्ट मैच के साथ अपने करियर का अंत करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने संन्यास का ऐलान करते हुआ कहा कि पिछले कुछ महीने मानसिक रूप से बहुत थकाने वाले रहे हैं क्योंकि उन्हें चोटों से जूझना पड़ा। इस

साल के आखिर में इंग्लैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में न खेलने का फैसला करने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 'सबसे बड़ी सीरीज' में से एक के बाद रिटायर होने का फैसला किया है।

पॉडकास्ट में किया संन्यास का ऐलान- हीली ने विलोटॉक क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, 'मैं इसे पॉडकास्ट के लिए बचाकर रखना चाहती थी क्योंकि पिछले कुछ समय में यह मेरे लिए काफी मजेदार रहा है जिसका मैं हिस्सा रही हूं। आधिकारिक तौर पर आज जब आप यह सुन रहे हैं तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज के आखिर में क्रिकेट से रिटायर हो रही हूं। प्लीज मुझे रुलाओ मत। यह आसान फैसला नहीं था, लेकिन कभी न कभी तो लेना ही था। '

स्टार्क को गोल्फ में हराने के लिए संन्यास

हीली ने मजाक में कहा कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके पति और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने हाल ही में गोल्फ में एक स्ट्रोक में होल किया तो उनको लगा कि उन्हें हराने के लिए इस खेल को फुल टाइम अपनाना होगा। हीली ने आगे मानसिक थकान के बारे में विस्तार से बताया जो हाल ही में उन्हें महसूस हो रही थी।

हीली का करियर

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को तीन टी20 मैचों से शुरू होगा। इसके बाद तीन वनडे और फिर पर्थ के वाका में टेस्ट मैच होगा, जो हीली के शानदार करियर का आखिरी मैच होगा। हीली ने अबतक 123 वनडे खेले हैं जिसमें 7 शतक के साथ 3563 रन बनाए हैं और 162 टी20 में एक शतक के साथ 3054 रन बनाए हैं। उन्होंने 10 टेस्ट मैच भी खेले हैं। सबसे खास बात यह है कि वह 2020 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थीं, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। 2022 वनडे वर्ल्ड कप में भी वह प्लेयर ऑफ द मैच थीं जब उन्होंने इंग्लैंड को हराया था।

टी20 विश्व कप : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी बात पर अड़ा

भारत में खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी बात पर अड़ा हुआ है और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में अपने मैच खेलने को लेकर फिर से इनकार कर दिया है। इस मुद्दे पर दोनों संस्थाओं के बीच उच्चस्तरीय बातचीत हुई, लेकिन फिलहाल

बांग्लादेश ने अपने रुख में कोई बदलाव नहीं किया है। आने वाले दिनों में यह विवाद टूर्नामेंट की योजना पर बड़ा असर डाल सकता है। मंगलवार दोपहर बीसीबी और आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी पर चर्चा हुई। बैठक में बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष शकावत हुसैन और फारूक अहमद, क्रिकेट ऑपरेशंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल आबेदीन और सीईओ निजामुद्दीन चौधरी शामिल रहे।

भारत न जाने के फैसले पर बीसीबी कायम

इस बैठक में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि वह सुरक्षा चिंताओं के चलते भारत में खेलने के फैसले पर पुनर्विचार नहीं करेगा। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि बांग्लादेश के मैच भारत के बाहर किसी अन्य देश में आयोजित करने पर विचार किया जाए। हालांकि आईसीसी ने यह कहते हुए असमर्थता जताई कि टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका है।

आईसीसी की सुरक्षा रिपोर्ट और बीसीबी की आपत्ति

आईसीसी की ओर से बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए जोखिम आकलन में भारत में टूर्नामेंट के लिए खतरे को कम से मध्यम श्रेणी में रखा गया है। आईसीसी सूत्रों के अनुसार, यह जोखिम स्तर अन्य बड़े वैश्विक खेल आयोजनों के समान है और बांग्लादेश के लिए कोई विशेष खतरा नहीं दर्शाता।

बांग्लादेश सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया

इससे पहले बांग्लादेश के युवा और खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने दावा किया था कि भारत में टी20 वर्ल्ड कप खेलने का 'माहौल नहीं है।' उन्होंने आईसीसी की सुरक्षा टीम के एक कथित पत्र का हवाला देते हुए कहा कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों और समर्थकों को भारत में गंभीर सुरक्षा जोखिम हो सकता है।

गौतम गंभीर कर रहे हैं पक्षपात?

● आयुष बदोनी के सेलेक्शन पर लगी सवालों की झड़ी...

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया में यंग ऑलराउंडर आयुष बदोनी की एंट्री हुई है, वो न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी दो वनडे मैचों में चुने गए हैं. उनका पहली बार टीम इंडिया में सेलेक्शन हुआ है. लेकिन उनकी इस एंट्री के साथ ही हेड कोच गौतम गंभीर पर पक्षपात के आरोप लगने लगे हैं.

सोशल मीडिया पर फैन्स सवाल उठा रहे हैं कि क्या बदोनी वाकई इस चयन के हकदार थे या फिर यह गंभीर की निजी पसंद का नतीजा है. दरअसल, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले वनडे में गेंदबाजी के दौरान बाएं निचले पसली हिस्से में दर्द की शिकायत के बाद सीरीज से बाहर हो गए. उनकी जगह टीम मैनेजमेंट ने आयुष बदोनी को स्क्वॉड में शामिल किया. इसके बाद से ही सेलेक्शन को लेकर बहस छिड़ गई. फैन्स का गुस्सा इसलिए भी बढ़ा है, क्योंकि लिस्ट क्रिकेट में बदोनी के आंकड़े कुछ खास प्रभावशाली नहीं रहे हैं. उन्होंने अब तक 22 पारियों में 693 रन बनाए हैं, जिसमें उनका एवरेज 36.47 का है.

विजय हजारे ट्रॉफी में फ्लॉप बदोनी

मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी 26 साल के बदोनी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है. उन्होंने तीन पारियों में सिर्फ 16 रन बनाए हैं, एवरेज मात्र 8 का रहा. इसी वजह से फैन्स सेलेक्शन पर सवाल उठा रहे हैं.

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड से सगाई की: सोफी शाइन अमेरिकी कंपनी में वाइस

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर शिखर धवन ने सोमवार को गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ सगाई की घोषणा की। धवन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। पिछले साल धवन और सोफी को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान साथ देखा गया था। इसके अलावा दोनों एक मीडिया कॉन्क्लेव में भी नजर आए थे, जहां धवन ने इशारों में दोबारा प्यार मिलने की बात कही थी। शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं। धवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं।

कौन हैं सोफी शाइन?

सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब श्व में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं। उन्होंने आयरलैंड के लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कैसलरॉय कॉलेज से पूरी की। सोफी, धवन के इंस्टाग्राम पर आने वाले कई मजेदार वीडियो में भी नजर आती रहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मुलाकात यूएई में हुई थी।

पलकों पे उन मुद्दों को सामने लाती है, जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं।

आईएएनएस से बात करते हुए श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है।

मुझे शो के उस लहंगे से इतनी नफरत है इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार-बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ-दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा-पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

ताहा शाह बदुशा की फिल्म पारो ऑस्कर की आधिकारिक एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल

ताहा शाह बदुशा अभिनीत फिल्म पारो-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी को एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। फिल्म को 98वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) 2026 के लिए एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा जारी आधिकारिक ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल किया गया है। साथ ही पारो उन चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की सूची में आ गई है, जिन्होंने अकादमी के तय मानकों और योग्यता शर्तों को पूरा किया है। फिल्म का निर्माण फिल्ममेकर और सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति भोईर ने किया है, जबकि निर्देशन की कमान संभाली है प्रख्यात निर्देशक गजेंद्र अहिरे ने। पारो एक संवेदनशील और सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म है, जो दुल्हन तस्करी यानी ब्राइड ट्रैफिकिंग जैसे गंभीर और अनदेखे मुद्दे को सामने लाती है। फिल्म में ताहा शाह बदुशा के साथ तृप्ति भोईर और गोविंद नामदेव भी अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी विषयवस्तु और प्रभावशाली कहानी के चलते फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और सर्किट्स में पहले ही सराहना बटोर चुकी है। ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल होना फिल्म की कलात्मक गुणवत्ता, सामाजिक प्रासंगिकता और अकादमी के सबमिशन व स्क्रीनिंग नियमों के अनुरूप होने को दर्शाता है। हालांकि यह सीधे नामांकन की गारंटी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड्स की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस उपलब्धि पर ताहा शाह बदुशा ने कहा, 'मुझे बेहद गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि पारो को ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में जगह मिली है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि उन आवाजों का प्रतिनिधित्व है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे सरहदों से परे देखा और सुना जाना चाहिए। मैं पूरी टीम और उन सभी लोगों का आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर पर भरोसा किया। उम्मीद है कि यह पहचान अर्थपूर्ण सिनेमा के लिए नए दरवाजे खोलेगी, जो संवेदना, जागरूकता और बदलाव को प्रेरित करे। गौरतलब है कि ऑस्कर एलिजिबिलिटी के साथ पारो ने वैश्विक स्वतंत्र सिनेमा में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय मंच पर सामाजिक सरोकारों से जुड़ी भारतीय कहानियों की बढ़ती पहचान को भी रेखांकित करती है।

'मर्दानी 3' का ट्रेलर बढ़ा देगा धड़कनें

बच्चियों के किडनैप की गुत्थी को सुलझाती दिखेंगी रानी मुखर्जी

हिंदी सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों और सामाजिक मुद्दों पर बनी फिल्मों की बात होती है, तो यश राज फिल्म्स की 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी का नाम ऊपर आता है। बीते एक दशक में 'मर्दानी' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पहचान बनाई, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी। अब 'मर्दानी 3' का ट्रेलर सामने आया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। 'मर्दानी 3' का ट्रेलर अपनी शुरुआत से ही दर्शक को झकझोर देता है। पहले ही सीन में एक खेलती हुई मासूम बच्ची का किडनैप होना दिखाया जाता है। इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और बताया जाता है कि शहर में लगातार छोटी-छोटी बच्चियों के अपहरण हो रहे हैं। माहौल डरावना लगता है। वहीं प्रशासन असहाय नजर आता है और हालात बेकाबू होते दिखते हैं। तभी इस केस को सुलझाने के लिए साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय को बुलाया जाता है। शिवानी के किरदार में रानी मुखर्जी एक बार फिर पूरी ताकत के साथ लौटती नजर आ रही हैं। जैसे-जैसे शिवानी जांच आगे बढ़ाती हैं, एक चौंकाने वाला खुलासा होता है। पता चलता है कि पिछले तीन महीनों में 93 बच्चियों को किडनैप किया जा चुका है। इन सभी अपराधों के पीछे एक ही नाम सामने आता है- 'अम्मा'। ट्रेलर में अम्मा का किरदार काफी खौफनाक है। बच्चियों को किडनैप कराने के बाद, वह उनके साथ क्या करती है, यह ट्रेलर में सस्पेंस रखा गया है।

इस बार 'मर्दानी 3' की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शिवानी का सामना किसी पुरुष अपराधी से नहीं, बल्कि एक महिला विलेन से है। 'अम्मा' का किरदार निभा रही दमदार अभिनेत्री मल्लिका प्रसाद को देख रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अम्मा बेहद चालाक, क्रूर और शातिर है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि वह पुलिस अधिकारी शिवानी को खरीदने की कोशिश भी करती है, लेकिन शिवानी शिवाजी रॉय किसी भी कीमत पर अपने फर्ज से समझौता नहीं करती।

रानी मुखर्जी का अंदाज इस बार पहले से ज्यादा सख्त, बेखौफ और गुस्से से भरा हुआ है। ट्रेलर में उनके डायलॉग्स सीधे दिल और दिमाग पर असर करते हैं। रिश्वत के पेशकश के एक सीन में शिवानी का डायलॉग है, 'तेरी बदकिस्मत है कि तेरा मुझ से पाला पड़ गया, जो तुझ जैसे से कट नहीं लेती, बल्कि तुझ जैसे तो काट कर रख देती है।' फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है, जबकि इसे यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी लेखक आयुष गुप्ता ने लिखी है, जो पहले भी गंभीर और सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानियां लिख चुके हैं। 'मर्दानी' पहले मानव तस्करी और फिर एक साइकोपैथ अपराधी की मानसिकता जैसे मुद्दों को उठा चुकी है, और अब 'मर्दानी 3' बच्चियों की किडनैपिंग और तस्करी जैसी एक और सच्चाई को सामने लाने जा रही है। 'मर्दानी 3' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'हक' को लेकर करण जौहर ने जताया अफसोस, बोले- 'काश यह फिल्म सिनेमाघर में देख पाता'

हिंदी सिनेमा में जब कोई बड़ी शख्सियत किसी फिल्म की खुलकर सराहना करती है, तो उस फिल्म पर दोबारा चर्चा शुरू हो जाती है। ऐसा ही कुछ हुआ है, अभिनेत्री यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'हक' के साथ। इस फिल्म को लेकर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद लंबा पोस्ट लिखा, जिसने इंडस्ट्री और दर्शकों दोनों का ध्यान खींचा। उनके इस पोस्ट पर यामी गौतम ने भी दिल से धन्यवाद देते हुए जवाब दिया, वहीं फिल्म के निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा भी इस सराहना से भावुक नजर आए। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में फिल्म 'हक' को एक बेहद सशक्त और भावनात्मक अनुभव बताया। उन्होंने लिखा, 'शाजिया बानो की कहानी और उसकी जीत ने मुझे रुला दिया। फिल्म खत्म होने के बाद मैं कुछ देर तक बोल नहीं पाया और जोरदार तालियां बजाईं। मुझे अफसोस है कि मैं इस फिल्म को सिनेमाघर में नहीं देख पाया।' उन्होंने कहा, 'सालों बाद किसी अभिनय ने मुझे इतना झकझोर दिया। यामी गौतम का अभिनय सिर्फ शानदार या बेहतरीन कहना काफी नहीं है। उनकी खामोशी, उनकी नजरें, डायलॉग और पूरी फिल्म में उनका आत्मविश्वास अभिनय की एक मिसाल है। आपको मैं सलाम करता हूं यामी, मैं आपका जिंदगी भर फैन रहूंगा।' इसके साथ ही उन्होंने निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा की भी जमकर तारीफ की और कहा, 'उन्होंने फिल्म को बहुत संतुलित तरीके से निर्देशित किया, जहां भावनाओं पर कभी बनावट हावी नहीं हुई।'

करण ने अभिनेता इमरान हाशमी के अभिनय को उनके कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ बताया और कहा, 'उन्होंने असंवेदनशील और अधिकार जताने वाले पति का किरदार इतने असरदार ढंग से निभाया कि दर्शक उनसे नफरत करने लगे हैं और यही उनकी सफलता है।' इसके अलावा करण ने फिल्म के निर्माताओं और लेखक की भी सराहना करते हुए इसे एक साहसी फिल्म बताया। करण जौहर के इस पोस्ट पर यामी गौतम, निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा और अभिनेत्री सोन्या अयोध्या ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। यामी गौतम ने करण को धन्यवाद देते हुए लिखा, 'आपके शब्दों ने मुझे भावुक कर दिया है। मैं दिल की गहराइयों से आपका आभार व्यक्त करती हूं। आपकी सराहना मेरे लिए बहुत मायने रखती हैं।' वहीं निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा ने करण जौहर का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, 'यह सराहना मेरे और पूरी 'हक' की टीम के लिए दुनिया के बराबर है।' अभिनेत्री सोन्या अयोध्या ने भी करण जौहर के पोस्ट की तारीफ की और कहा,'मुझे खुशी है कि करण ने 'हक' जैसी फिल्म को सराहा। यह ऐसी फिल्म है जिसे कई लोग सिनेमाघर में नहीं देख पाए और बाद में दूसरे प्लेटफॉर्म पर सर्च कर रहे है। इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का अनुभव मिलना चाहिए था।'

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में रूपा का किरदार निभाना रहा मुश्किल: मिथिला पालकर

'त्रिभंगा', 'कारवां' और 'चॉपस्टिक' जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री मिथिला पालकर के हाथ बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। अब मिथिला वीर दास और आमिर खान के साथ काम कर खुद को लकी महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री मिथिला पालकर ने एक बातचीत में फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए और ये भी बताया कि आमिर खान के साथ काम करना कैसा लगा। 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में मिथिला पालकर ने महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। फिल्म को 'हां' करने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ना करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है, क्योंकि ये मेरे कॅरियर की पहली कॉमेडी फिल्म है और फिल्म से इतने बड़े लोग जुड़े हैं, जिन्होंने अपने कॅरियर में कमाल किया है। फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन में बन रही है और मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म मेरे लिए भी बहुत अलग है। फिल्म में मेरा बोलने का तरीका, चलने का तरीका बिल्कुल अलग है। इस फिल्म के लिए मुझे खुद को अलग नजरिए से परखने का मौका मिला है। फिल्म में मिथिला ने रूपा नाम की बोल्ड और बिंदास लड़की का रोल प्ले किया है। सेट पर शूटिंग के समय मिथिला को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा, क्योंकि कॉमेडी उनके लिए नया जॉनर है। उन्होंने कहा कि रूपा का किरदार निभाना मुश्किल रहा, क्योंकि रूपा बोल्ड और बिंदास है, उसकी अलग दुनिया है और शूटिंग के दौरान अपशब्दों से भरे वाले डायलॉग्स मुश्किल रहे। सबसे ज्यादा मुश्किल था वीर को थप्पड़ मारना, क्योंकि रूपा एक ऐसा किरदार है, जिसके अंदर गिल्ट नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि सेट पर वीर को थप्पड़ मारना था और गिल्ट भी महसूस नहीं करना था। चेहरे के एक्सप्रेशन बदलने भी काफी मुश्किल थे, क्योंकि सीन कॉमेडी से भरे थे, लेकिन वीर ने काफी मदद की थी। उन्होंने कहा था कि तुम सब अपनी लाइनों के साथ खेलो, कॉमेडी खुद-बा-खुद आ जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' का ट्रेलर दिसंबर में रिलीज हो चुका है और फिल्म 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

महानायक अमिताभ बच्चन ने पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' की प्रशंसा की

महानायक अमिताभ बच्चन ने अभिनेता पुलकित सम्राट की आगामी फिल्म 'राहु केतु' को न सिर्फ सराहा है, बल्कि सार्वजनिक रूप से अपना समर्थन भी जताया है। 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही इस फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन का समर्थन मिलना पूरी टीम के लिए गर्व और यादगार पल बन गया है। यही वजह है कि उनके इस समर्थन से फिल्म को लेकर चर्चाएं और उत्साह दोनों ही तेज हो गए हैं। अमिताभ बच्चन द्वारा सराहे गए स्नेहपूर्ण संदेश से फिल्म के नायक पुलकित सम्राट काफी भावुक हो गए हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर खुशी और आभार व्यक्त करते हुए एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा है, 'आपका आशीर्वाद हमारे लिए बहुत मायने रखता है। दिल से धन्यवाद!' अमिताभ बच्चन की सराहना ने 'राहु केतु' को रिलीज से पहले ही एक खास पहचान दिला दी है। गौरतलब है कि सार्थक और अलग तरह की फिल्मों के समर्थन के लिए जाने जाने वाले बिग बी की यह प्रतिक्रिया फिल्म के लिए एक मजबूत मुहर मानी जा रही है, जिससे दर्शकों और इंडस्ट्री के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है। बढ़ते उत्साह, दर्शकों के सकारात्मक समर्थन और सिनेमा के एक दिग्गज के आशीर्वाद के साथ 'राहु केतु' 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनती नजर आ रही है। जैसे-जैसे पुलकित सम्राट इस फिल्म को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं, 'राहु केतु' न सिर्फ उम्मीदों के साथ, बल्कि पीढ़ियों से मिले सिनेमा प्रेमियों के आशीर्वाद के साथ लगातार आगे बढ़ती जा रही है।

टीएमसी के आरोप पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा चुनाव आयोग से जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमसी सांसद डोला सेन ने चुनाव आयोग पर मनमानी का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग से एक हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है और इसे पारदर्शिता की बड़ी चुनौती बताया है। डोला सेन की याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंशिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान वैलिड दस्तावेजों को मानने से इनकार कर दिया, जिससे ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम काट दिए गए। सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग विभिन्न चुनाव अधिकारियों को व्हाट्सऐप मैसेज या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निर्देश दे रहा है, जो गलत है। सिब्बल ने कहा कि ऐसे सभी निर्देश लिखित रूप में होने चाहिए ताकि वोटर लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमल्या बागची की बेंच ने चुनाव आयोग के वकील एकलव्य द्विवेदी से कहा कि शनिवार तक याचिका पर जवाब दें। मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को तय की गई है। सेन ने 15 जनवरी की डेडलाइन को बढ़ाने की मांग की है। ये क्लेम और ऑब्जेक्शन देने की आखिरी तारीख है। याचिकाकर्ता की ओर से मांग की गई कि परमानेंट रेसिडेंस सर्टिफिकेट, पंचायत रेसिडेंस सर्टिफिकेट और फैमिली रजिस्टर जैसे दस्तावेजों को वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए वैलिड माना जाए। बंगाल की ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल 16 दिसंबर को पब्लिश हुई थी, जिसमें 58,20,898 नाम हटाए गए। सेन का आरोप है कि ये नाम बिना किसी नोटिस या पर्सनल हियरिंग के काट दिए गए। 2025 की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद वोटर्स की कुल संख्या 7,66,37,529 थी, जो अब घटकर 7,08,16,616 रह गई है। याचिका में कहा गया है कि एसओपी के उलट, कई असेंबली कंस्टीट्यूएंसी में एब्सेंटी, शिफ्टेड, डेड और डुप्लिकेट (एएसडीडी) कैटेगरी के वोटर्स के नाम सेंट्रली प्रोसेस हो रहे हैं और डिस्पोज्ड – फॉर्म 7 मार्क कर दिए जा रहे हैं। सेन को आशंका है कि फाइनल रोल के बाद बंगाल असेंबली इलेक्शन तुरंत अनाउंस हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट से मांग की कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह वोटर लिस्ट रिवीजन प्रोसेस को ठीक करे और सभी योग्य वोटर्स को शामिल करने की कोशिश करे।

पहलवान सुशील कुमार ने सागर धनखड़ हत्याकांड में डाली नियमित जमानत याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलवान सुशील कुमार ने सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में नियमित जमानत के लिए नई याचिका दाखिल की है। उन्होंने बदले हुए हालातों का हवाला देते हुए कहा है कि अब रोहिणी कोर्ट ने सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज कर लिए हैं। ऐसे में अब सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित किए जाने की कोई गुंजाइश नहीं बची है। पहलवान सुशील कुमार की ओर से रोहिणी की अदालत में नियमित जमानत की मांग करते हुए याचिका दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता सुशील कुमार की ओर से बताया गया है कि रोहिणी कोर्ट ने सभी अहम गवाहों से पूछताछ कर ली है। मौजूदा सूरते हाल काफी बदल गए हैं क्योंकि सभी अहम गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। ऐसे में आरोपी के पास सबूतों में हेरफेर करने या गवाहों को प्रभावित करने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में याचिकाकर्ता को नियमित जमानत दी जानी चाहिए। बता दें कि सुशील कुमार 2021 में मॉडल टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में आरोपी हैं। उनको मार्च 2025 में दिल्ली हाई कोर्ट ने रेगुलर बेल दी थी। हालांकि, 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए इस नियमित जमानत को रद्द कर दिया था कि अहम गवाहों से अभी तक पूछताछ नहीं हुई है। ऐसे में आरोपी सुशील कुमार को रेगुलर बेल नहीं दी जा सकती है। हालांकि तब सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार को उम्मीद की एक किरण भी दिखला दी थी। सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि हालात बदलने पर या जब भी नए आधार सामने आएं तो संबंधित अदालत में नई बेल अर्जी दाखिल की जा सकती है। अब सुशील कुमार की ओर से कहा गया है कि जिस आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने रेगुलर बेल रद्द की थी वह अब मौजूद नहीं है। सुशील कुमार की ओर से अदालत को बताया गया है कि अब सभी अहम गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया है कि मामले में 222 गवाह हैं जिनमें से 42 अहम गवाहों जिनमें घायल भी शामिल हैं।

लॉरेंस गैंग ने सोशल मीडिया पर ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पश्चिम विहार में आरके फिटनेस जिम पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। हमले में किसी के भी घायल होने की खबर नहीं है। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात की गई फायरिंग में गोलियां जिम के शीशे पर लगी हैं। बताया जा रहा है कि बदमाश बाइक पर सवार थे। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट के अनुसार, जिम को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि जिम का मालिक गैंग द्वारा फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा था।

चौबारा गांव में दो दिवसीय मेला धार्मिक हर्षोल्लास के साथ संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र शाहजहांपुर के गांव चौबारा में बाबा कुंदनदास मंदिर प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक मेले का समापन बुधवार को भंडारा व कुश्ती दंगल प्रतियोगिता के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक ललित यादव ने शिरकत की और मेले को भारतीय संस्कृति की पहचान के साथ समाज में भाईचारा, प्रेम व एकजुटता का माध्यम बताया। समाजसेवी इंद्र यादव ने मेले में कुश्ती, कबड्डी, बॉलीबॉल, दौड़ सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित कराने पर कमेटी व ग्रामीणों की सराहना की। मेले में भंडारे में प्रसादी पाने वाले भक्तों का दिनभर तांता लगा रहा। वहीं मेले में सजी दुकानों पर बच्चों और महिलाओं ने खरीददारी का लुफ्त उठाया। मेले में आयोजित कुश्ती दंगल में छोटी राशि की कुश्तियों से लेकर कामडा कुश्ती 21 हजार रुपयों के इनाम की हुई। हरियाणा के शाहपुर निवासी बॉबी पहलवान ने कामडा कुश्ती जीत 21 हजार रुपयों का नकद इनाम पाया। इस मौके पर सरपंच श्यामसुंदर यादव, पंचायत समिति सदस्य ऋषिराज यादव, जिला पार्षद वेदप्रकाश खबरी, समाजसेवी दिलबाग सिंह चौहान, दीपेश चौधरी, विक्रम यादव, रविंद्र यादव, मेजर विशाल यादव, मुकेश चौहान, ठेकेदार नसीब खान, महेंद्र सिंह, कुंदन सिंह, सचिन यादव, ईश्वर सिंह, प्रवीण सिंह, विकाश पहलवान, रजत सिंह, नवाब सिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

टोहाना के मानव सेवा संगम चेरिटेबल अस्पताल की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित स्वास्थ्य मेले में 451 रोगियों का जांचा स्वास्थ्य

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रक्तदान के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । मानव सेवा संगम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित संगम चैरिटेबल अस्पताल की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक निशुल्क स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। वहीं उन्होंने नवनिर्मित संगम दिव्यांग केंद्र के भवन का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि संगम चैरिटेबल अस्पताल द्वारा विगत 25 वर्षों से निरंतर समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और संवेदनशीलता से जुड़ा एक सशक्त जनकल्याणकारी अभियान बन चुका है, जो समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सांसद बराला ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित इस नये भवन के माध्यम से अब उन्हें और अधिक आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में उपचार, देखभाल, पुनर्वास एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में इस प्रकार की सराहनीय पहल जरूरतमंदों, दिव्यांग बच्चों एवं आमजन के लिए आशा, विश्वास और संबल का सशक्त माध्यम सिद्ध होगी। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने उपस्थिति को मकर संक्रांति की बधाई देते हुए मानव सेवा संगम द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की। वहीं कहा कि इस संस्था के सदस्यों ने समाजसेवा से लेकर रक्त सेवा के क्षेत्र में भी अह्म भूमिका निभाने का काम किया है। इसकी जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। उन्होंने इस आयोजन के लिए संस्था की पूरी टीम को बधाई दी। इस स्वास्थ्य मेले में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रविंद्र बूरा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. हरीश कटारिया, शुगर रोगों के विशेषज्ञ डॉ. रोहित अग्रवाल, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. बीर सिंह यादव, हड्डी व जोड़ों के रोगों के विशेषज्ञ डॉ. राहुल मीना, अल्ट्रासाउंड एवं सिटी स्कैन विशेषज्ञ डॉ. कविता रेढ्ढू, फिजियोंथोपिस्ट डॉ. आरजू बिश्नोई ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

लोहड़ी पर्व पर संस्कृति और एकता का संदेश, अल्फा इंटरनेशनल सिटी में भव्य आयोजन

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला व पूर्व विधायक दुड़ाराम ने दी लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व की बधाई

लोहड़ी उत्सव में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला का आह्वानः वैश्विक सोच के साथ सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें युवा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा, । अल्फा इंटरनेशनल सिटी रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मंगलवार देर सायं लोहड़ी पर्व को पारंपरिक उल्लास एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक दुड़ाराम ने की। कार्यक्रम में विधि-विधान से लोहड़ी पर्व मनाया गया। लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि युवा पीढ़ी को वैश्विक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपरा, संस्कृति और विरासत से सदैव जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से यह संदेश जाना चाहिए कि चाहे हम विश्व के किसी भी कोने में रहें या वैश्विक स्तर पर कार्य करें, हमें अपनी जड़ों को कभी नहीं भूलना चाहिए। सांसद ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब हम अपनी जड़ों से विमुख हुए हैं, तब-तब समाज को इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अपनी भूमि, अपनी पहचान और सामाजिक एकता से दूर होने की कीमत समाज को कई बार चुकानी पड़ी है। श्री बराला ने कहा कि आज जब हम अखंड भारत के नक्शे को देखते हैं तो यह सोचकर पीड़ा होती है कि हमने क्या खोया है। उन्होंने लोहड़ी पर्व के अवसर पर विशेष रूप से युवाओं से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति, परंपराओं और रीति-रिवाजों को बचाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। श्री बराला ने अल्फा इंटरनेशनल सिटी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान विजय मेहता एवं उनकी पूरी टीम को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा रखी गई मांगों को पूरा करवाने का भी आश्वासन दिया। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था नगर परिषद द्वारा सुचारू रूप से करवाई जाएगी तथा यदि स्ट्रीट लाइट आपूर्ति और इसके बिल जमा करने में कोई तकनीकी समस्या है तो उसे शीघ्र दूर किया जाएगा। हरकोफेड के चेयरमैन वेद फुला ने लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए इसके पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अल्फा इंटरनेशनल सिटी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान विजय मेहता ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब-जब सोसायटी ने अपनी मांगों को राज्यसभा सांसद सुभाष बराला एवं पूर्व विधायक दुड़ाराम के समक्ष रखा, उन्होंने उन्हें गंभीरता से लिया और पूरा करवाने का प्रयास किया, जिसके लिए सोसायटी उनका आभार व्यक्त करती है। इस अवसर पर उन्होंने सोसायटी की ओर से कुछ मांगों का ज्ञापन भी अतिथियों को सौंपा। कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला एवं पूर्व विधायक दुड़ाराम ने पार्क में रोटरी क्लब द्वारा उपलब्ध करवाए गए वाटर कूलर को जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला और पूर्व विधायक दुड़ाराम ने सोसायटी की ओर से उल्लेखनीय कार्य करने और सोसायटी का सहयोग करने वाले समाजसेवी और अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर नप उप प्रधान सविता टूटेजा, प्रधान विजय मेहता, उप प्रधान नरेश झाझड़ा, सचिव पृथ्वी सिंह बाना, संयुक्त सचिव सुभाष चहल, कैशियर रितेश मुंजाल, गुलबहार सिंह, आजाद सचदेवा, देवेंद्र पूनिया, जगदीश शर्मा, महाबीर जांगड़ा, राजीव बत्तरा, सीपी आहूजा, मेनपाल गोदारा, लायक राम गढ़वाल, जयदीप बराला, राकेश भांभू, जीतू फुला सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी, गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेपी विश टाउन में फंसे 6 हजार खरीदारों को जल्द मिलेगा फ्लैट का कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में जेपी इंफ्राटेक में फंसे करीब 6 हजार खरीदारों को जल्द ही फ्लैट पर कब्जा मिलेगा। सुरक्षा कंपनी ने जेपी विशटाउन के करीब 63 टावर का निर्माण पूरा कर लिया है, जिनमें से 31 टावर के 3135 फ्लैटों के ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा ग्रुप ने जून 2024 में जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की जेपी विशटाउन परियोजना को संभाला था। उस वक्त परियोजना के सिर्फ 62 टावरों में निर्माण कार्य चल रहा था, जिनमें 6200 खरीदार जुड़े थे, लेकिन 97 टावर में काम या तो पूरी तरह बंद थे या कभी शुरू ही नहीं हुआ था। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की 10 परियोजनाओं में करीब 20 हजार से अधिक खरीदार फंसे हैं। कंपनी के अनुसार हैंडओवर के 10 महीने के भीतर यानी अप्रैल 2025 तक 1149 खरीदारों को फ्लैट पर मालिकाना हक दिया जा चुका है। इन दस परियोजनाओं में कुल 159 टावर हैं। वर्तमान में 63 टावरों का काम पूरा हो चुका है, इनमें 31 को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुके हैं, जबकि 32 टावर की ओसी के लिए आवेदन किया हुआ है। दावा किया गया है कि कंपनी 63 टावर में अब तक 5989 फ्लैट पूरे कर चुकी है। इनमें से 31 टावरों (3135 फ्लैट) को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुके हैं, जल्द ही खरीदारों को इनका कब्जा दिया जाएगा। वहीं, शेष 32 टावर, जिनकी ओसी के लिए आवेदन किया हुआ है, उनमें 2854 फ्लैट हैं। इन फ्लैट के लिए अगले दो महीने में ओसी मिलने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने सोमवार को गौतमबुद्ध नगर समेत 6 जिलों में 12 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें कुल 7,147 फ्लैट, विला और दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इससे करीब 4,100.18 करोड़ का निवेश आएगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि बैठक में गौतमबुद्धनगर, मथुरा, आगरा, वाराणसी, झांसी और लखनऊ में 12 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। गौतमबुद्धनगर में तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसमें 2,460.59 करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत 1,937 आवासीय इकाइयों निर्माण किया जाएगा। वहीं, लखनऊ में 1,091.16 करोड़ के कुल निवेश के साथ पांच परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इन परियोजनाओं के माध्यम से कुल 3,569 इकाइयों का विकास किया जाएगा, जिनमें 2,964 आवासीय इकाई और 605 व्यावसायिक इकाइयां शामिल हैं।

बुहाना में पशु कल्याण पखवाड़े की शुरुआत, शिव गौरक्षा गौशाला में लगा पशु चिकित्सा शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर पशुपालन विभाग के प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, बुहाना की ओर से पशु कल्याण पखवाड़े की शुरुआत शिव गौरक्षा गौशाला, बुहाना में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित कर की गई। शिविर में गायों का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, बांझ निवारण, पशु पोषण एवं पशु प्रबंधन से संबंधित जानकारी गौभक्तों और पशुपालकों को दी गई। आयोजित पशुपालक गोष्ठी में राजस्थान, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश से लगभग एक हजार से अधिक गौभक्तों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन श्री मौजनाथ जी महाराज, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. शिवकुमार सैनी एवं बीवीएचओ बुहाना डॉ. योगेश कुमार द्वारा किया गया। शिविर में पशुपालन विभाग के डॉ. साकेंद्र सिंह, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. ब्रह्मानंद, डॉ. अंकित कुमार सहित अरविंद, नीतू, नेहा, राजेश, संदीप एवं अन्य कार्मिकों ने सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर गौभक्तों ने गायों को गुड़, दलिया एवं हरा चारा खिलाकर गौसेवा की तथा गौशाला परिसर में मकर संक्रांति का पर्व श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया। पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पशु कल्याण पखवाड़े के तहत आगे भी विभिन्न स्थानों पर जागरूकता एवं उपचार शिविर आयोजित किए जाएंगे।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने कच्ची बस्ती में मनाई मकर संक्रांति, जरूरतमंदों संग बांटी खुशियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को मुख्य धारा से जोड़ने और सेवा कार्यों को समर्पित शेखावाटी क्षेत्र में संचालित लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मकर संक्रांति का पर्व सिंघानिया यूनिवर्सिटी के पास स्थित कच्ची बस्ती में जरूरतमंद परिवारों के बीच मनाया गया। ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने बस्तीवासियों के साथ पर्व की खुशियां साझा करते हुए सनातन संस्कृति और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट मनोज पंवार, विकास कुमार एवं हनिश ने अपने हाथों से जरूरतमंद परिवारों को मकर संक्रांति के विशेष पकवान वितरित किए। बस्ती के बच्चों को तिल के लड्डू और मिठाइयां दी गईं, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। एडवोकेट मनोज पंवार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों की असली खुशी जरूरतमंदों की सेवा में निहित है। उन्होंने ट्रस्ट के निरंतर सेवा कार्यों को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम तहसील प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुआ। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट पिछले छह वर्षों से लगातार जरूरतमंद परिवारों की सहायता कर रहा है और प्रत्येक बड़े त्योहार पर बस्तियों में पहुंचकर लोगों को अपनी संस्कृति व उत्सवों से जोड़ने का प्रयास करता है।कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट का सेवा गीत भी गाया गया, जिससे माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण हो गया। विकास कुमार ने बस्तीवासियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता और भाईचारा बढ़ता है। इस सेवा कार्य में हनिश, संजय सहित ट्रस्ट के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे और वितरण व्यवस्था में सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में बस्तीवासियों ने ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त किया।

जेलेंस्की की चेतावनी: ईरान में क्रांति चल रही

दुनिया मौका न गंवाए, ईरानियों की तानाशाह से आजादी को हर देश आगे आए

कीव, एजेंसी।
ईरान की सड़कों पर उठती बगावत को यूक्रेन युद्ध से जोड़ते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दुनिया को चेताया है। उनका साफ संदेश है अगर यह लम्हा चूक गया, तो सिर्फ ईरान ही नहीं, वैश्विक सत्ता संतुलन भी बदलने का मौका हाथ से निकल जाएगा। जेलेंस्की ने ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों को महज विरोध नहीं, बल्कि एक क्रांति करार देते हुए दुनिया से इस ऐतिहासिक मौके को न गंवाने की अपील की है। जेलेंस्की ने कहा कि ईरान में जो कुछ हो रहा है, वह सत्ता

के खिलाफ जनविद्रोह का स्पष्ट संकेत है और इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। उनके मुताबिक, अगर ईरानी शासन कमजोर पड़ता है या गिरता है, तो रूस के लिए हालात और मुश्किल हो जाएंगे।जेलेंस्की ने साफ शब्दों में कहा,जो कुछ इस वक्त ईरान में हो रहा है, वह वास्तव में एक क्रांति है। यह इस बात का संकेत भी है कि रूस के लिए आगे चीजें आसान नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर आम इंसान चाहता है कि ईरान की जनता उस शासन से आज़ाद हो, जिसने न सिर्फ अपने लोगों के लिए बल्कि यूक्रेन और अन्य देशों के लिए भी भारी नुकसान और हिंसा पैदा की है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से खुली अपील करते हुए कहा, यह बेहद ज़रूरी है कि दुनिया इस मौके को न गंवाए, जब बदलाव संभव है। हर नेता, हर देश और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को अब आगे आकर मदद करनी चाहिए। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया है जब यूक्रेन पर ईरान निर्मित ड्रोन लगातार हमलों में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यूक्रेन पहले ही कई बार आरोप लगा चुका है कि ईरान ने रूस को ड्रोन और सैन्य तकनीक देकर युद्ध को लंबा खींचा है।

मिनियापोलिस में महिला की मौत के बाद सामने आया नया वीडियो

न्यूयार्क एजेंसी।
अमेरिका के मिनियापोलिस में महिला की मौत के बाद से हंगामा खड़ा हो गया है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के एजेंट्स ने कार न रोकने पर महिला के सिर में गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद अमेरिका में कई जगहों पर ट्रंप और आइसीइ एजेंट्स के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं, अब घटना से जुड़ा नया वीडियो सामने आया है।

अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने 3 मिनट से ज्यादा का वीडियो जारी करते हुए आइसीइ एजेंट्स की तरफ से सफाई पेश की है। उनका कहना है कि महिला ने अपनी कार से रास्ता ब्लॉक कर दिया था, जिसके कारण कई कारों को निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा था। ऐसे में जब आइसीइ एजेंट ने महिला की कार का दरवाजा खोलने की कोशिश की, जो उसने गाड़ी भगानी चाही और आइसीइ एजेंट ने गोली

चला दी। डीएचएस की ओर से शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि एक काली रंग की एसयूवी सड़क के बीच में खड़ी है, रेने गुड नामक महिला बैठी है। रेने लगातार कार का हॉर्न बजाते हुए दिखाई दे रही है। 1 मिनट बाद रेने कार को थोड़ा पीछे खींचते हुए रास्ता देती है। हालांकि, इस वीडियो में ये साफ नहीं है कि घटना के दौरान रेने गुड कहां पर थी। वीडियो के आखिर में आइसीइ एजेंट्स का ट्रक गुड की कार के पास आकर रुकता है और इस दौरान 2 अधिकारी नीचे उतरते हैं।

इससे पहले सामने आए वीडियो में आइसीइ एजेंट को गुड पर गोली चलाते हुए देखा गया था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया है। आइसीइ का कहना है कि उनके एजेंट ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। हालांकि, कई लोग इसे लापरवाही करार दे रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com